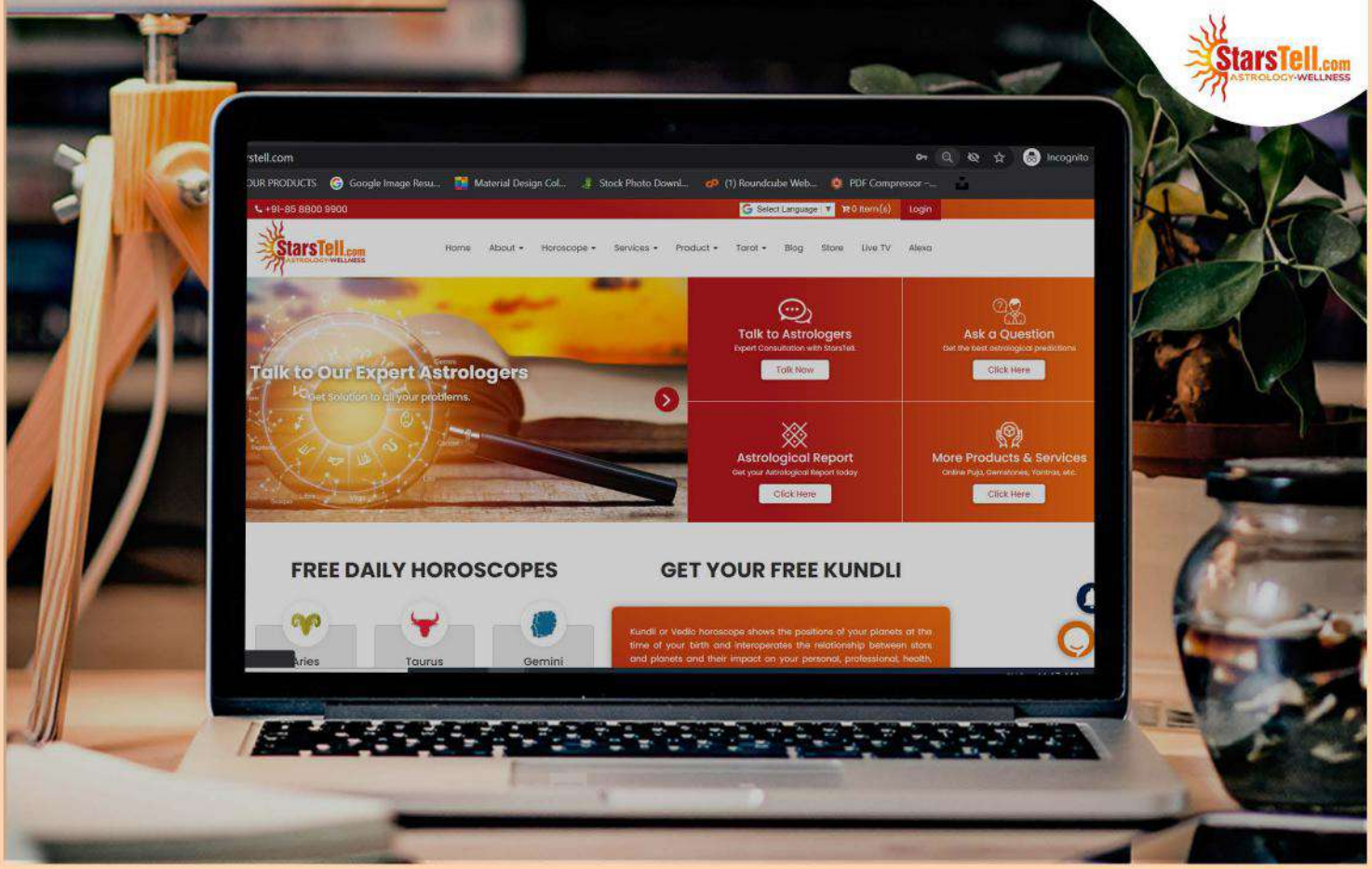

Name	:	Mr Ajay Kumar
Date of Birth	:	25 October 1976
Time of Birth	:	6:15:00 Hrs.
Place of Birth	:	Lucknow, india

Talk to Astrologers

Fast, Reliable and Comfortable Method to Get Advice From Best Vedic Astrolgoers in 12 Indian Languages 24X7

BOOK AN ONLINE PUJA

Performed by our Expert and Experienced Pandit ji Get Peace and Prosperity

Trusted Since 2005

2 Million Happy Customers

Worldwide Reach

Mr Ajay Kumar

जन्म विवरण

लिंग	:	पुरुष
जन्म दिन	:	25 अक्तूबर 1976
जन्म वार	:	सोमवार
जन्म समय	:	06:15:00 घंटे
इष्टकाल	:	60:0:41 घटी
जन्म स्थान	:	**Lucknow**
देश	:	India

अक्षांश	:	26उ51'00
रेखांश	:	80पू55'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	00:45:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	-00:06:19 घंटे
स्थानीय समय	:	06:08:40 घंटे
सांपातिक काल	:	08:22:49 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	वृश्चिक
लग्न राशि	:	तुला 08:07:32

पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:	
पिता का नाम	:	
माता का नाम	:	
जाति	:	
गोत्र	:	

अवकहडा चक्र

1. वर्ण	:	ब्राह्मण
2. वश्य	:	कीट
3. नक्षत्र - चरण	:	अनुराधा - 1
4. योनि	:	मृग
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	मंगल
6. गण	:	देव
7. चन्द्र राशि	:	वृश्चिक
8. नाड़ी	:	मध्य
वर्ग	:	सर्प
युञ्जा	:	मध्य
हंसक (तत्व)	:	जल
नामाक्षर	:	**ना**
राशि पाया	:	चाँदी
नक्षत्र पाया	:	चाँदी

जन्मकालीन पंचांगादि

चैत्रादि विधि		
विक्रम संवत्	:	2033
मास	:	कार्तिक
कार्तिकादि विधि		
विक्रम संवत्	:	2033
मास	:	कार्तिक
शक संवत्	:	1898
सूर्य अयन/गोल	:	दक्षिणायण/दक्षिण
ऋतु	:	हेमन्त
पक्ष	:	शुक्ल
ज्योतिषिय वार	:	रविवार
सूर्योदयी तिथि	:	शुक्ल प्रतिपदा
तिथि समाप्तिकाल	:	06:55:46 घंटे
	:	1:42:35 घटी
जन्मकालीन तिथि	:	शुक्ल तृतीया
सूर्योदयी नक्षत्र	:	स्वाति
नक्षत्र समाप्तिकाल	:	08:08:40 घंटे
	:	4:44:51 घटी
जन्मकालीन नक्षत्र	:	अनुराधा
सूर्योदयी योग	:	प्रीति
योग समाप्तिकाल	:	07:13:56 घंटे
	:	2:28:2 घटी
जन्मकालीन योग	:	सौभाग्य
सूर्योदयी करण	:	बव
करण समाप्तिकाल	:	06:55:46 घंटे
	:	1:42:35 घटी
जन्मकालीन करण	:	तैतिल
सूर्योदय समय	:	06:14:43 घंटे
अंश	:	तुला 07:12:10
सूर्यास्त समय	:	17:26:02 घंटे
अंश	:	तुला 07:40:25
आगामी सूर्योदय	:	सोमवार 06:15:21 घंटे
चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:	25 अक्तूबर 76 05:18:19
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:	26 अक्तूबर 76 02:44:48
भयात	:	2:21:42 घटी
भभोग	:	51:14:29 घटी
जन्मकालीन दशा	:	शनि-शनि-बुध
दशा भोग्यकाल	:	शनि 18व.-1मा.-26दि.
अयनांश	:	-23:32:08 लहरी

25 अक्तूबर 1976 * सोमवार * 06:15:00 घंटे

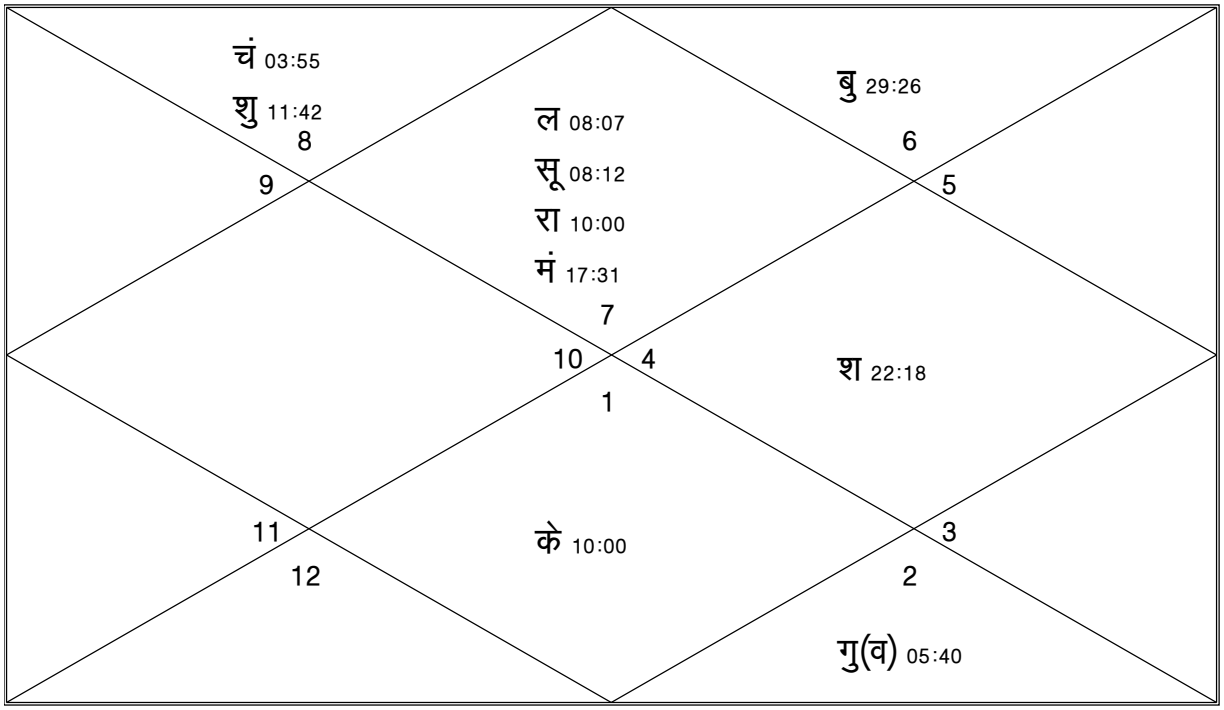

चंद्र कुण्डली

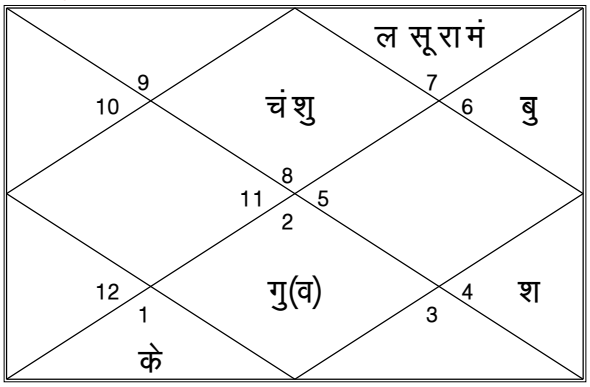

नवांश कुण्डली

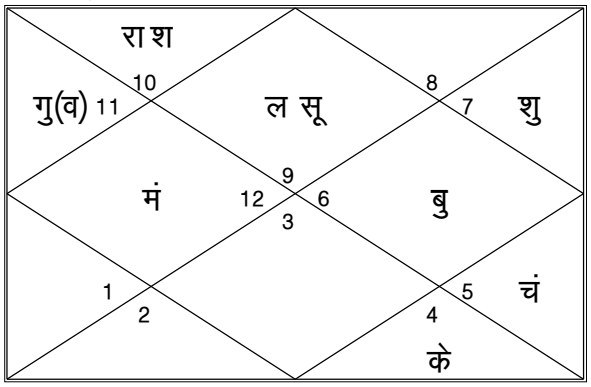

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा. स्वा.	न. स्वा.	उप स्वा.	उप उप स्वा.	शुभा–शुभ	षड्बल
लग्न		तुला	08:07:32		स्वाति	1	शु	रा	रा	शु		
सूर्य		तुला	08:12:00	00:59:50	स्वाति	1	शु	रा	रा	शु	नीच	0.96
चन्द्र		वृश्चिक	03:55:31	15:01:58	अनुराधा	1	मं	श	श	बु	नीच	1.47
मंगल	(अ)	तुला	17:31:36	00:41:27	स्वाति	4	शु	रा	सू	चं	मित्र	1.18
बुध	(अ)	कन्या	29:26:09	01:41:30	चित्रा	2	बु	मं	श	रा	स्वराशि	1.29
गुरु	(व)	वृष	05:40:02	-00:06:27	कृत्तिका	3	शु	सू	बु	शु	अतिशत्रु	1.16
शुक्र		वृश्चिक	11:42:42	01:13:03	अनुराधा	3	मं	श	चं	बु	मित्र	1.06
शनि		कर्क	22:18:01	00:03:36	आश्लेषा	2	चं	बु	चं	चं	अतिशत्रु	1.40
राहु		तुला	10:00:26	00:00:08	स्वाति	2	शु	रा	गु	चं	सम	
केतु		मेष	10:00:26	00:00:08	अश्विनी	4	मं	के	श	के	सम	

चन्द्र कुण्डली

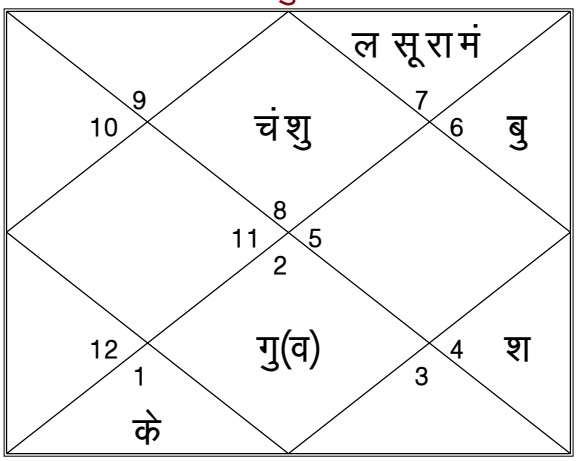

नवांश

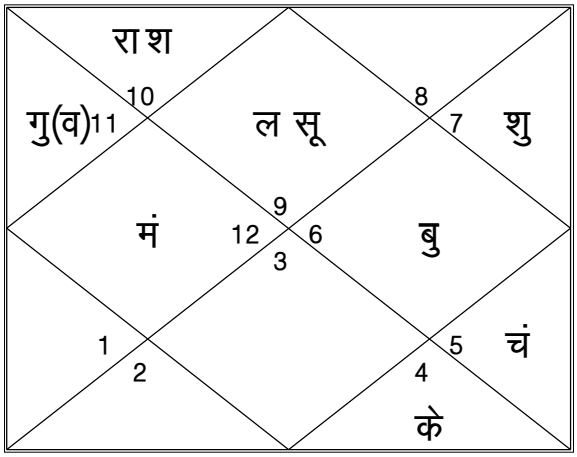

भाव (श्रीपति)

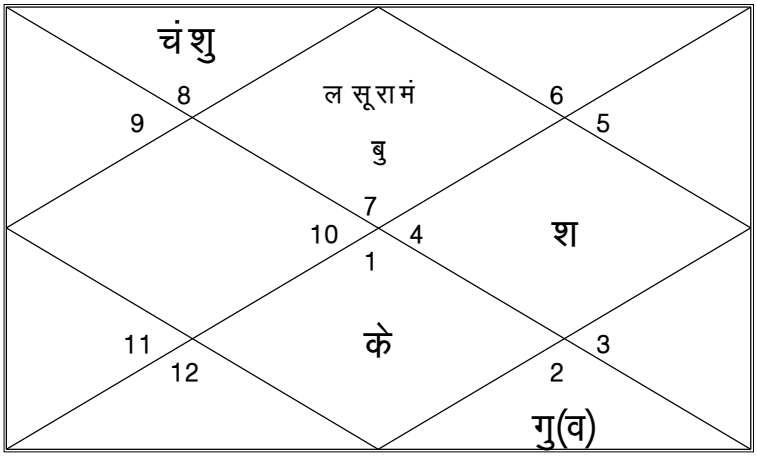

भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ		भाव मध्य		भाव अन्त	
प्रथम भाव	कन्या	23:24:56	तुला	08:07:32	तुला	23:24:56
द्वितीय भाव	तुला	23:24:56	वृश्चिक	08:42:20	वृश्चिक	23:59:43
तृतीय भाव	वृश्चिक	23:59:43	धनु	09:17:07	धनु	24:34:31
चतुर्थ भाव	धनु	24:34:31	मकर	09:51:55	मकर	24:34:31
पंचम भाव	मकर	24:34:31	कुंभ	09:17:07	कुंभ	23:59:43
षष्ठ भाव	कुंभ	23:59:43	मीन	08:42:20	मीन	23:24:56
सप्तम भाव	मीन	23:24:56	मेष	08:07:32	मेष	23:24:56
अष्टम भाव	मेष	23:24:56	वृष	08:42:20	वृष	23:59:43
नवम भाव	वृष	23:59:43	मिथुन	09:17:07	मिथुन	24:34:31
दशम भाव	मिथुन	24:34:31	कर्क	09:51:55	कर्क	24:34:31
एकादश भाव	कर्क	24:34:31	सिंह	09:17:07	सिंह	23:59:43
द्वादश भाव	सिंह	23:59:43	कन्या	08:42:20	कन्या	23:24:56

सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली
मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली

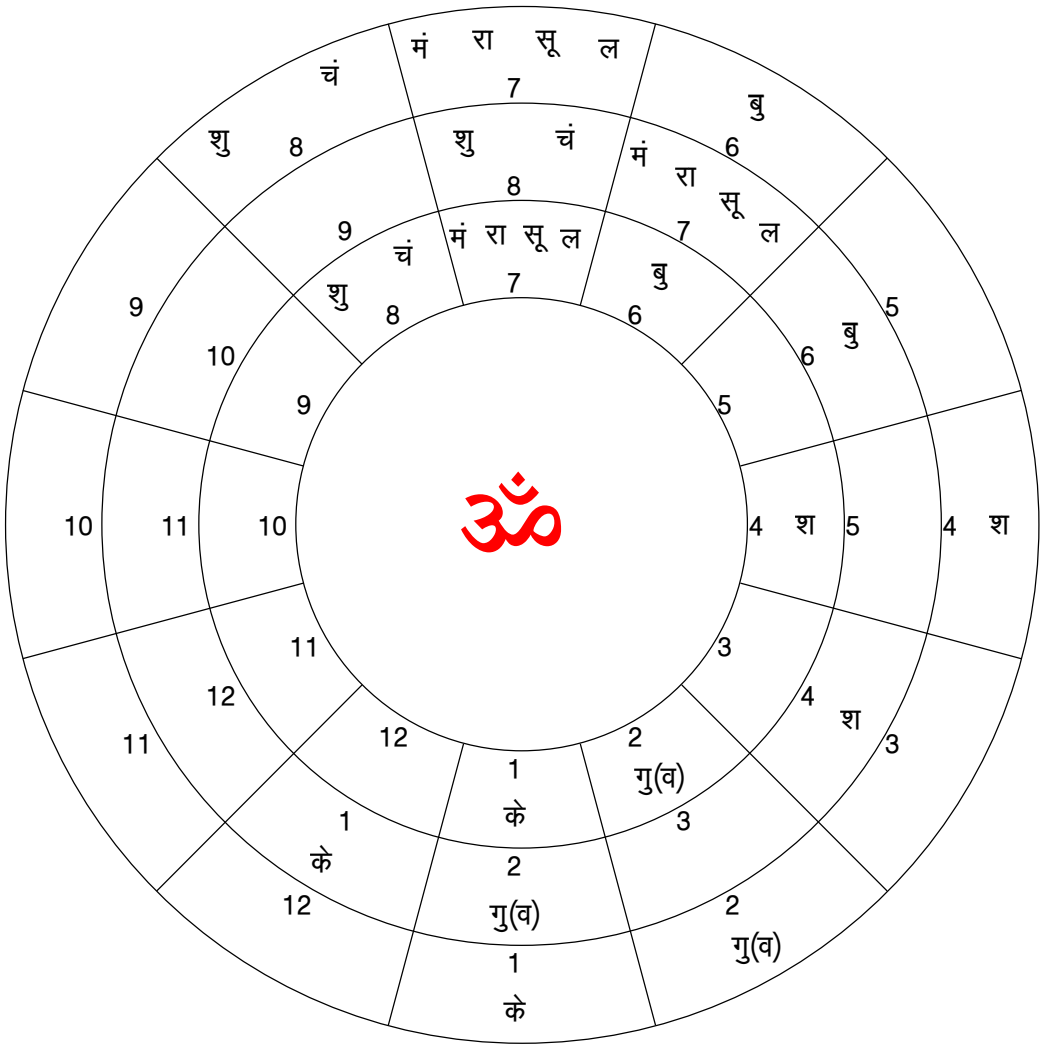

सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषन किया जाता है।

जन्म कुण्डली

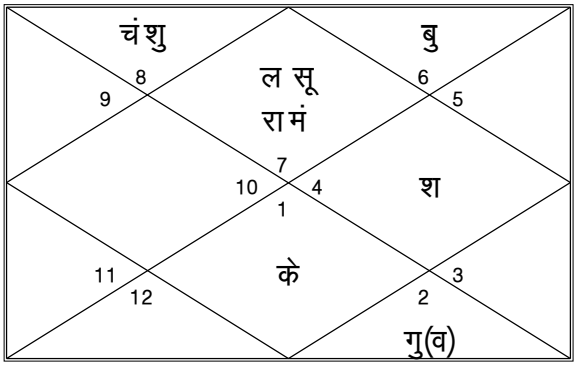

होरा (धन-सम्पत्ति)

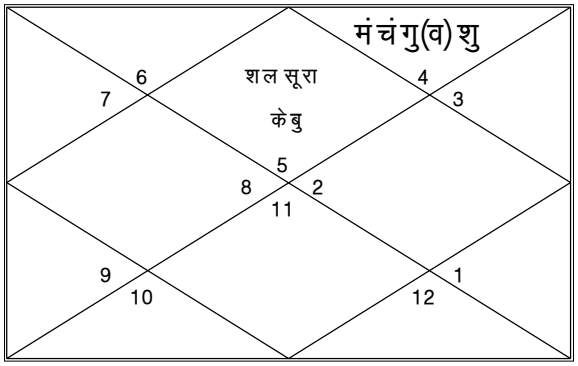

द्रेष्काण (भाई-बहन)

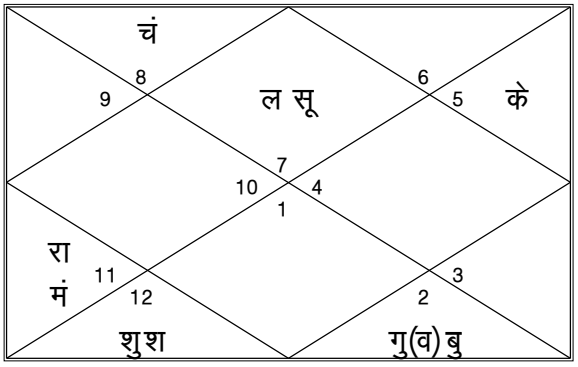

चतुर्थांश (भाग्य)

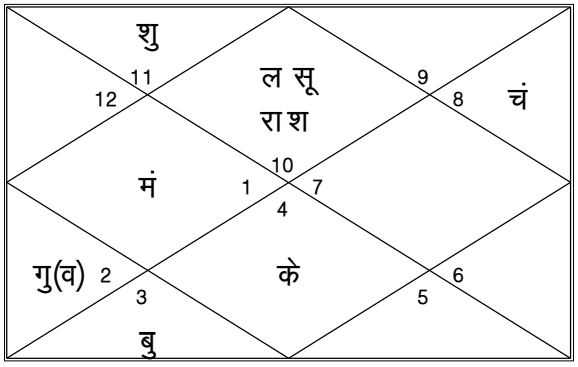

सप्तांश (संतान)

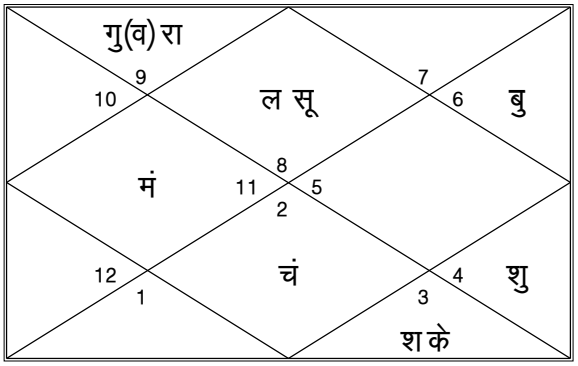

नवांश (जीवनसाथी)

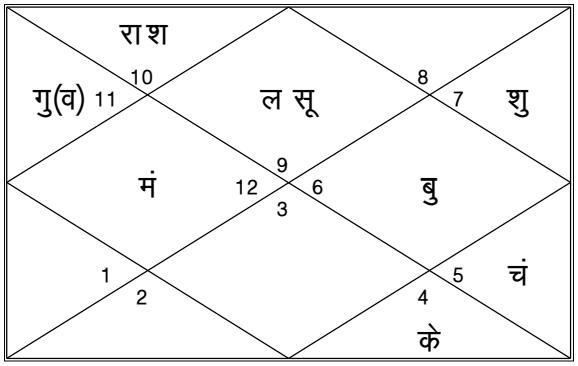

दशांश (कर्मफल)

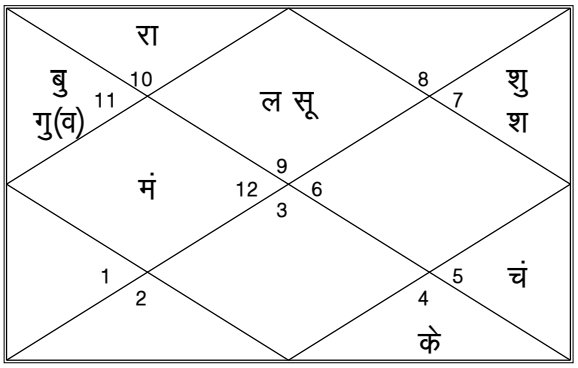

द्वादशांश (माता-पिता)

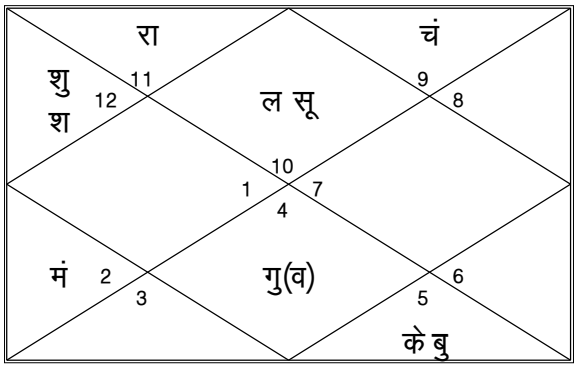

षोडशांश (वाहन)

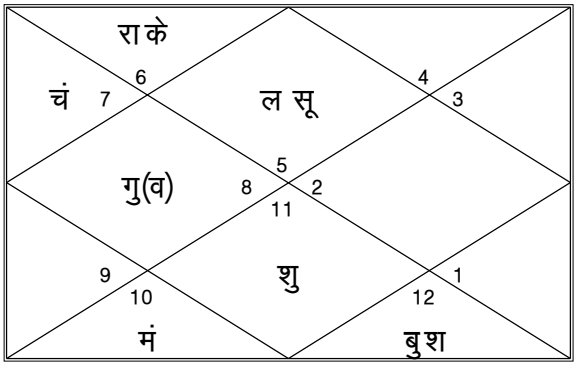

विंशांश (उपासना)

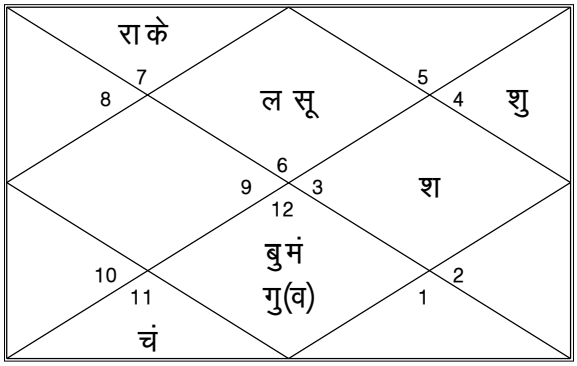

चतुर्विंशांश (विद्या)

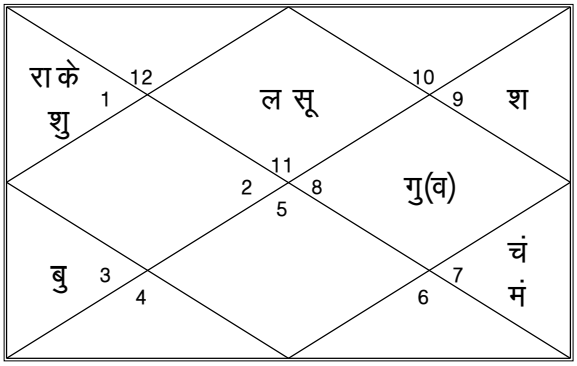

सप्तविंशांश (बलाबल)

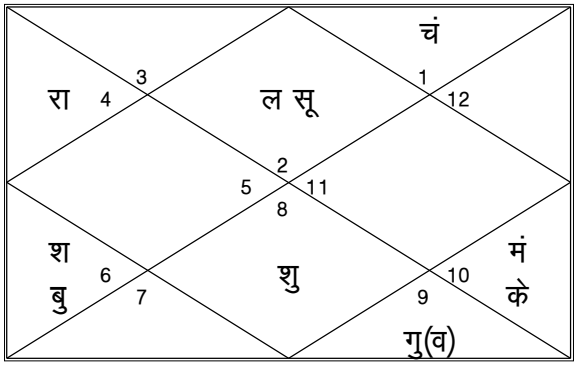

त्रिंशांश (अरिष्ट)

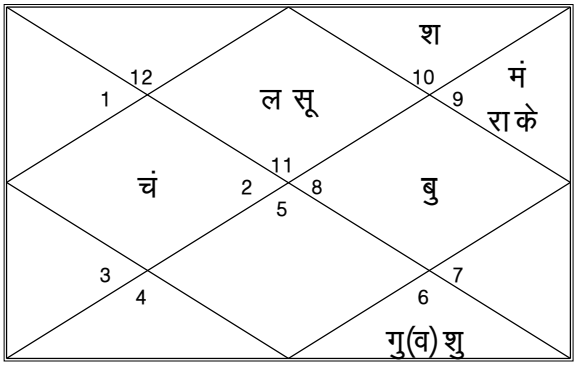

खवेदांश (शुभ-अशुभफल)

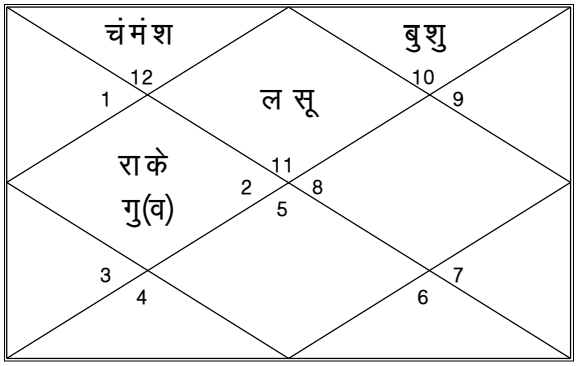

अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)

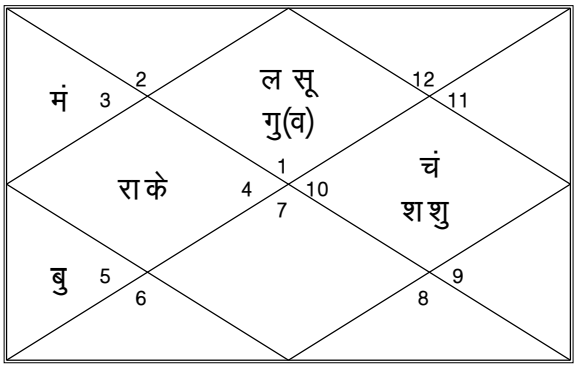

षष्ट्यांश (सभी क्षेत्र)

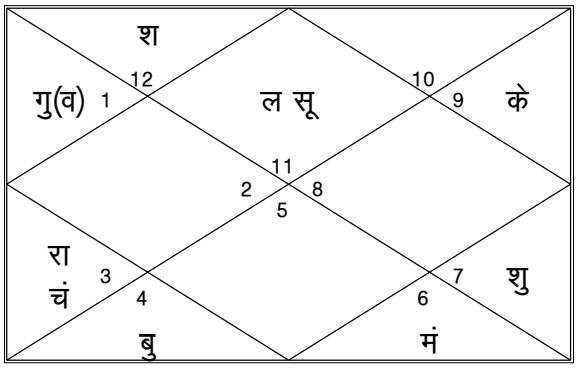

नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चंद्र बुध शुक्र शनि	सूर्य मंगल बुध राहु	चंद्र बुध शुक्र शनि	सूर्य चंद्र मंगल शुक्र शनि राहु	शनि केतु	सूर्य मंगल बुध राहु	सूर्य मंगल बुध गुरु राहु केतु	चंद्र बुध शुक्र शनि	गुरु शनि
शत्रु	मंगल गुरु राहु केतु	गुरु शुक्र शनि केतु	सूर्य गुरु राहु केतु	गुरु केतु	सूर्य चंद्र मंगल बुध शुक्र राहु	चंद्र गुरु शनि केतु	चंद्र शुक्र	सूर्य मंगल गुरु केतु	सूर्य चंद्र मंगल बुध शुक्र राहु

पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	चंद्र	सूर्य बुध	चंद्र	सूर्य शुक्र		बुध राहु	बुध राहु	शुक्र शनि	
मित्र	बुध	मंगल	शुक्र शनि	मंगल शनि राहु	शनि केतु	मंगल	गुरु	बुध	गुरु
सम	मंगल गुरु शुक्र शनि	राहु	सूर्य बुध गुरु केतु	चंद्र	सूर्य चंद्र मंगल	सूर्य शनि केतु	सूर्य मंगल शुक्र केतु	चंद्र गुरु	मंगल शुक्र शनि
शत्रु		गुरु शुक्र शनि		गुरु केतु	राहु	गुरु			बुध
अतिशत्रु	राहु केतु	केतु	राहु		बुध शुक्र	चंद्र	चंद्र	सूर्य मंगल केतु	सूर्य चंद्र राहु

षोडशवर्ग सारणी

षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	तुला	तुला	वृश्चिक	तुला	कन्या	वृष	वृश्चिक	कर्क	तुला	मेष
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	तुला	तुला	वृश्चिक	कुंभ	वृष	वृष	मीन	मीन	कुंभ	सिंह
चतुर्थांश	मकर	मकर	वृश्चिक	मेष	मिथुन	वृष	कुंभ	मकर	मकर	कर्क
सप्तांश	वृश्चिक	वृश्चिक	वृष	कुंभ	कन्या	धनु	कर्क	मिथुन	धनु	मिथुन
नवांश	धनु	धनु	सिंह	मीन	कन्या	कुंभ	तुला	मकर	मकर	कर्क
दशांश	धनु	धनु	सिंह	मीन	कुंभ	कुंभ	तुला	तुला	मकर	कर्क
द्वादशांश	मकर	मकर	धनु	वृष	सिंह	कर्क	मीन	मीन	कुंभ	सिंह
षोडशांश	सिंह	सिंह	तुला	मकर	मीन	वृश्चिक	कुंभ	मीन	कन्या	कन्या
विंशांश	कन्या	कन्या	कुंभ	मीन	मीन	मीन	कर्क	मिथुन	तुला	तुला
चतुर्विंशांश	कुंभ	कुंभ	तुला	तुला	मिथुन	वृश्चिक	मेष	धनु	मेष	मेष
सप्तविंशांश	वृष	वृष	मेष	मकर	कन्या	धनु	वृश्चिक	कन्या	कर्क	मकर
त्रिंशांश	कुंभ	कुंभ	वृष	धनु	वृश्चिक	कन्या	कन्या	मकर	धनु	धनु
खवेदांश	कुंभ	कुंभ	मीन	मीन	मकर	वृष	मकर	मीन	वृष	वृष
अक्षवेदांश	मेष	मेष	मकर	मिथुन	सिंह	मेष	मकर	मकर	कर्क	कर्क
षष्ट्यांश	कुंभ	कुंभ	मिथुन	कन्या	कर्क	मेष	तुला	मीन	मिथुन	धनु

षोडशवर्ग में शुभाशुभ

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	नीच	नीच	मित्र	स्वराशि	अतिशत्रु	मित्र	अतिशत्रु	सम	सम
होरा	मूलत्रिक.	स्वराशि	नीच	सम	उच्च	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	सम
द्रेष्काण	नीच	नीच	मित्र	अतिमित्र	सम	उच्च	मित्र	स्वराशि	सम
चतुर्थांश	अतिशत्रु	नीच	मूलत्रिक.	स्वराशि	सम	अतिमित्र	स्वराशि	सम	सम
सप्तांश	अतिमित्र	उच्च	शत्रु	स्वराशि	मूलत्रिक.	सम	अतिमित्र	सम	सम
नवांश	अतिमित्र	सम	अतिमित्र	स्वराशि	मित्र	स्वराशि	स्वराशि	सम	सम
दशांश	अतिमित्र	सम	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	स्वराशि	उच्च	सम	सम
द्वादशांश	सम	शत्रु	मित्र	सम	उच्च	उच्च	शत्रु	स्वराशि	सम
षोडशांश	मूलत्रिक.	शत्रु	उच्च	नीच	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	स्वराशि	सम
विंशांश	शत्रु	शत्रु	सम	नीच	स्वराशि	अतिशत्रु	अतिमित्र	सम	सम
चतुर्विंशांश	सम	शत्रु	शत्रु	स्वराशि	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम
सप्तविंशांश	अतिशत्रु	मित्र	उच्च	उच्च	मूलत्रिक.	वृश्चिक	सम	सम	सम
त्रिंशांश	सम	उच्च	अतिमित्र	मित्र	सम	नीच	स्वराशि	स्वराशि	मूलत्रिक.
खवेदांश	सम	मित्र	अतिमित्र	मित्र	अतिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	उच्च	नीच
अक्षवेदांश	उच्च	शत्रु	सम	सम	अतिमित्र	सम	स्वराशि	सम	सम
षष्ट्यांश	सम	अतिमित्र	सम	सम	सम	मूलत्रिक.	मित्र	मूलत्रिक.	मूलत्रिक.

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षड्वर्ग	11	15	14	19	9	13	13	16	7
सप्तवर्ग	11	13	14	19	9	11	13	16	7
दशवर्ग	12	14	13	15	10	14	14	15	9
षोडशवर्ग	12	14	13	16	10	15	14	15	9

ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	0.60	0.31	26.51	55.19	40.22	14.90	30.77
सप्तवर्गीय बल	75.00	93.75	97.50	172.50	65.62	78.75	121.88
ओज-युग्म बल	30.00	15.00	15.00	0.00	15.00	15.00	0.00
केन्द्रादि बल	60.00	30.00	60.00	15.00	30.00	30.00	60.00
द्रेष्काण बल	15.00	0.00	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00
1. स्थान बल	180.60	139.06	199.01	242.69	165.85	138.65	212.64
2. दिग्बल	29.99	38.59	26.88	56.42	8.50	41.19	25.96
नतोन्नत बल	31.30	28.70	28.70	60.00	31.30	31.30	28.70
पक्ष बल	51.42	8.58	51.42	8.58	8.58	8.58	51.42
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	45.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
होरा बल	0.00	60.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आयन बल	14.22	55.29	10.29	41.71	55.77	2.76	9.10
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. काल बल	96.95	242.57	90.42	170.28	155.64	42.63	89.22
4. चेष्टा बल	14.22	8.58	7.56	25.11	53.77	31.46	40.91
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. दृक् बल	-7.95	48.96	11.87	22.12	33.76	53.85	41.44
कुल षड्बल	373.80	529.17	352.90	542.37	451.78	350.62	418.75
षड्बल (रुप में)	6.23	8.82	5.88	9.04	7.53	5.84	6.98
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनीय का अंश	0.96	1.47	1.18	1.29	1.16	1.06	1.40
स्थान बल वांछित का अंश	1.09	1.05	2.07	1.47	1.01	1.04	2.22
दिग्बल वांछित का अंश	0.86	0.77	0.90	1.61	0.24	0.82	0.87
काल बल वांछित का अंश	0.87	2.43	1.35	1.52	1.39	0.43	1.33
चेष्टा बल वांछित का अंश	0.28	0.29	0.19	0.50	1.08	1.05	1.02
दृक्बल वांछित का अंश	0.47	1.38	0.51	1.39	1.86	0.07	0.45
तुलनात्मक स्थिति	7	1	4	3	5	6	2
इष्ट फल	10.01	4.44	17.04	40.15	47.00	23.18	35.84
कष्ट फल	49.99	55.56	42.96	19.85	13.00	36.82	24.16

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
भावमध्य अंश	8	8	8	8	8	8	8	8	8	8	8	8
भावाधिपति बल	350	352	451	418	418	451	352	350	542	529	373	542
भाव दिग्बल	60	10	40	0	20	40	30	40	20	30	50	50
भाव दृष्टि बल	-8	53	60	75	25	20	21	34	31	34	52	50
ग्रह	-120	0	0	0	0	0	0	60	0	-60	0	60
दिन-रात्रि	0	0	0	0	0	15	0	0	0	0	0	0
कुल भावबल	283	417	552	494	465	527	405	486	594	534	476	702

ग्रहों पर दृष्टि

द्रष्ट ग्रह	अंश	दृष्टि देने वाले ग्रह: सूर्य 188:12	चन्द्र 213:55	मंगल 197:31	बुध 179:26	गुरु 35:40	शुक्र 221:42	शनि 112:18	राहु 190:00	केतु 10:00
सूर्य	188:12	–	–	–	–	– (5)	–	3/4 (52)	–	4/4 (56)
चन्द्र	213:55	–	–	–	1/4 (2)	4/4 (56)	–	1/2 (39)	–	3/4 (48)
मंगल	197:31	–	–	–	–	– (23)	–	3/4 (47)	–	4/4 (56)
बुध	179:26	–	–	–	–	4/4 (36)	–	4/4 (56)	–	– (38)
गुरु	35:40	3/4 (46)	4/4 (59)	4/4 (60)	1/2 (41)	–	4/4 (47)	– (33)	3/4 (47)	–
शुक्र	221:42	– (1)	–	–	1/4 (6)	4/4 (56)	–	1/2 (35)	–	3/4 (45)
शनि	112:18	1/4 (7)	1/2 (20)	1/4 (12)	– (3)	1/4 (31)	1/2 (24)	–	1/4 (8)	3/4 (51)
राहु	190:00	–	–	–	–	– (8)	–	3/4 (51)	–	4/4 (60)
केतु	10:00	4/4 (59)	– (12)	4/4 (44)	3/4 (54)	–	– (1)	4/4 (47)	4/4 (60)	–

श्रीपति भावों पर दृष्टि

द्रष्ट भाव	अंश	दृष्टि देने वाले ग्रह: सूर्य 188:12	चन्द्र 213:55	मंगल 197:31	बुध 179:26	गुरु 35:40	शुक्र 221:42	शनि 112:18	राहु 190:00	केतु 10:00
प्रथम	188:07	–	–	–	–	4	–	52	–	56
द्वितीय	218:42	–	–	–	4	58	–	36	–	45
तृतीय	249:17	16	2	10	24	46	–	13	14	59
चतुर्थ	279:51	44	20	48	39	55	14	35	44	30
पंचम	309:17	28	42	38	20	13	42	51	59	–
षष्ठ	338:42	1	25	8	18	–	31	36	31	–
सप्तम	08:07	59	8	41	55	–	3	45	56	–
अष्टम	38:42	44	57	60	40	–	53	27	45	–
नवम	69:17	29	42	38	25	1	46	–	59	14
दशम	99:51	14	27	18	9	19	30	–	30	44
एकादश	129:17	–	12	4	–	46	16	–	–	59
द्वादश	158:42	–	–	–	–	56	1	32	–	31

ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लज्जिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	सुषुप्ति (शून्यफल)	कुमार (आधाफल)		खल (पापराशि)	नृत्यलिप्सा (विद्वान)
चन्द्र	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)	मुदित	खल (पापराशि)	भोजन (सर्वविधि सुख)
मंगल	स्वपन (मध्यमफल)	युवा (पूर्णफल)	मुदित क्षोभित	शान्त (मित्र)	सभावास (विद्वान महाधनी)
बुध	जागृत (पूर्णफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	मुदित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	शयन (धूर्त लम्पट)
गुरु	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)	क्षुधित मुदित	खल (पापराशि)	सभावास (विविध विद्या ज्ञान)
शुक्र	स्वपन (मध्यमफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	मुदित	शान्त (मित्र)	शयन (दन्तरोग)
शनि	सुषुप्ति (शून्यफल)	कुमार (आधाफल)	क्षुधित	खल (पापराशि)	नृत्यलिप्सा (धर्मिष्ट महावीर)
राहु	स्वपन (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)	क्षोभित	दीन (समक्षेत्र)	शयन (क्लेशपूर्ण/धनी)
केतु	स्वपन (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)		दीन (समक्षेत्र)	शयन (धनी रोगग्रस्त)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में कोष्ठक में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

नीचभंग योग

सूर्य के नीचभंग योग :-

- मंगल जोकि उच्च राशि का स्वामी है, वह केन्द्र में है।
- सूर्य मंगल के साथ है, जोकि उच्च राशि का स्वामी है।

चन्द्र के नीचभंग योग :-

- चन्द्र का डिस्पोज़िटर केन्द्र में है।
- शुक्र जोकि उच्च राशि का स्वामी है, वह चन्द्र से केन्द्र में है।
- शुक्र मंगल के साथ है, जोकि उच्च राशि का स्वामी है।

अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

सूर्य

सूर्य राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	4
मँगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चन्द्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
योग	5	3	1	7	2	3	5	5	3	5	6	3	48

सूर्य

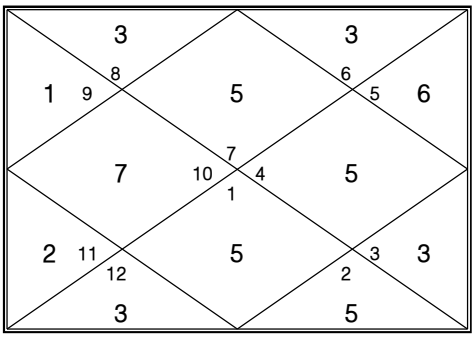

चन्द्र

चन्द्र राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	0	7
मँगल	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	7
सूर्य	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	6
शुक्र	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	7
बुध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
योग	5	6	3	3	6	4	5	2	5	6	4	0	49

चन्द्र

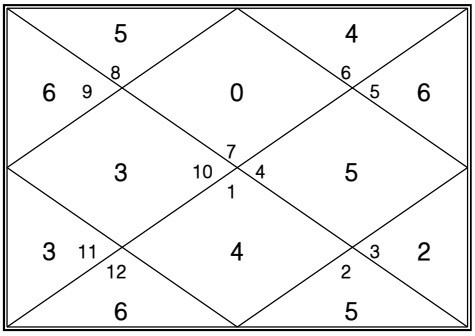

मंगल

मंगल राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	7
गुरु	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	4
मँगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	5
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
बुध	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
चन्द्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
योग	5	2	2	4	4	4	5	2	1	5	3	2	39

मंगल

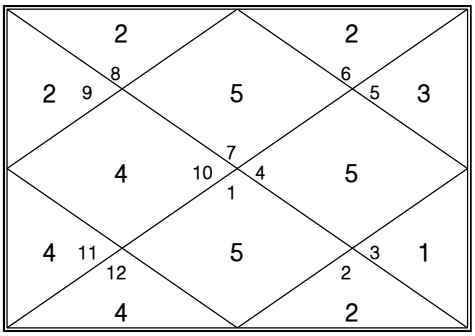

बुध

बुध राशि	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	
शनि	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
गुरु	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	4
मँगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	4	4	4	3	5	5	5	4	4	5	5	6	54

बुध

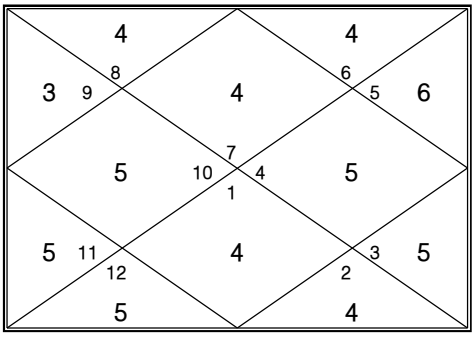

अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

गुरु

गुरु राशि	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मँगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
सूर्य	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	9
शुक्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	6
बुध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	8
चन्द्र	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
योग	5	5	7	5	4	4	5	6	4	3	4	4	56

गुरु

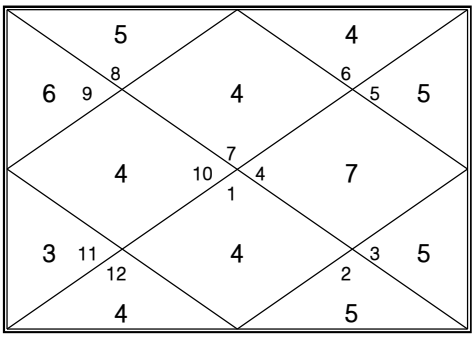

शुक्र

शुक्र राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	1	1	7
गुरु	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	5
मँगल	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	5
चन्द्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
लग्न	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
योग	5	5	5	7	5	1	4	4	3	4	6	3	52

शुक्र

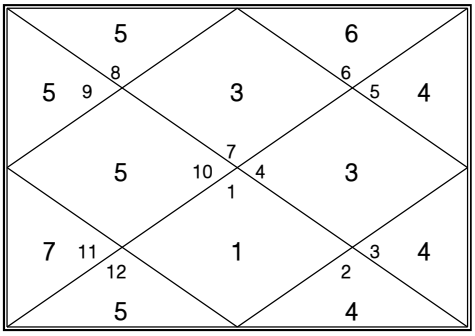

शनि

शनि राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मँगल	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	6
सूर्य	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	3
बुध	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	6
चन्द्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
योग	4	4	5	4	2	3	3	2	3	5	3	1	39

शनि

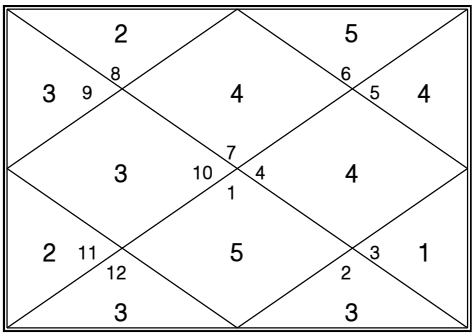

लग्न

लग्न राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
गुरु	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
मँगल	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
सूर्य	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	7
बुध	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
चन्द्र	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	5	2	6	4	3	5	3	2	3	6	5	5	49

लग्न

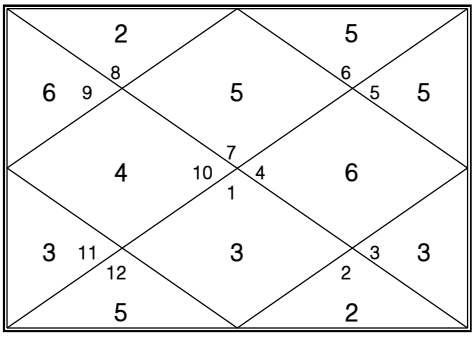

सर्वाष्टक वर्ग

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	3	2	3	6	5	5	5	2	6	4	3	5	49
सूर्य	5	5	3	5	6	3	5	3	1	7	2	3	48
चन्द्र	4	5	2	5	6	4	0	5	6	3	3	6	49
मंगल	5	2	1	5	3	2	5	2	2	4	4	4	39
बुध	4	4	5	5	6	4	4	4	3	5	5	5	54
गुरु	4	5	5	7	5	4	4	5	6	4	3	4	56
शुक्र	1	4	4	3	4	6	3	5	5	5	7	5	52
शनि	5	3	1	4	4	5	4	2	3	3	2	3	39
योग	28	28	21	34	34	28	25	26	26	31	26	30	337

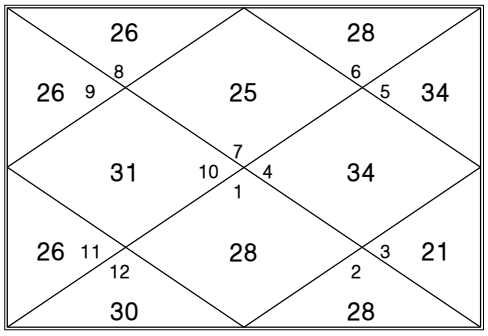

सर्वचन्चा चक्र

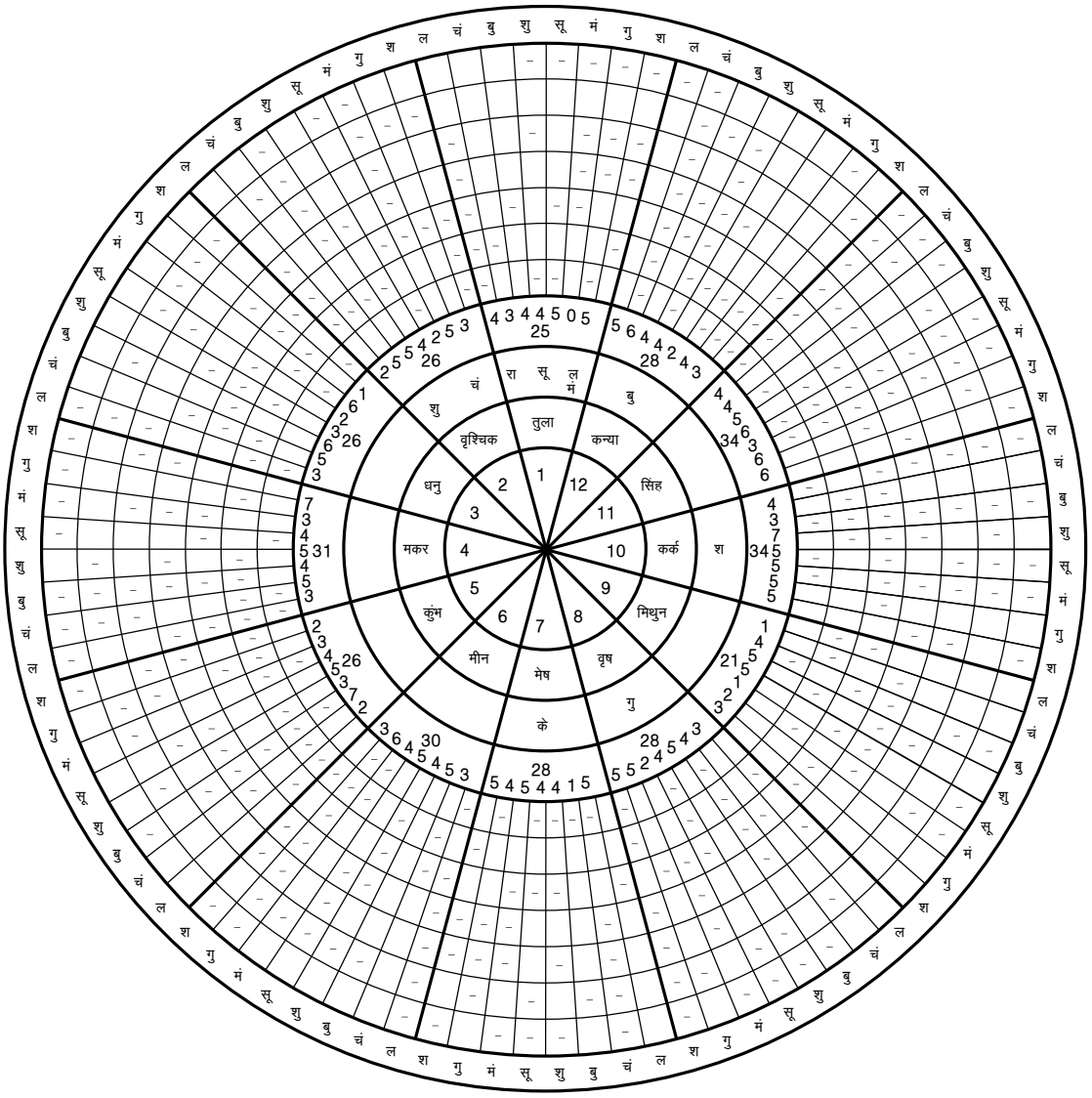

	शोधन से पूर्व	त्रिकोण शोधन	एकाधिपत्य शोधन
सूर्य	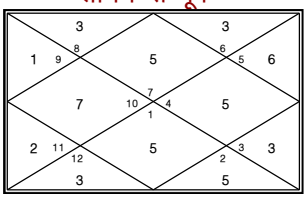	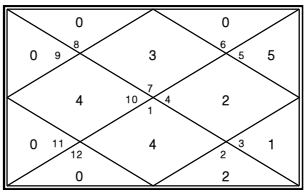	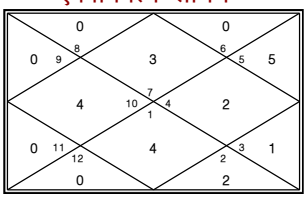
राशि पिण्ड 155 ग्रह पिण्ड 69 शुद्ध पिण्ड 224			
चन्द्र	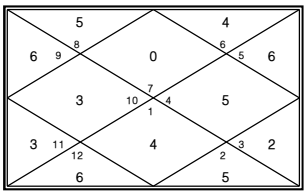	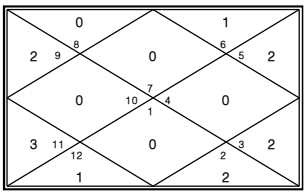	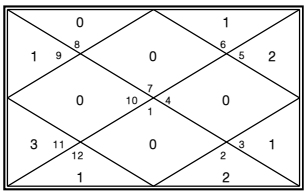
राशि पिण्ड 108 ग्रह पिण्ड 25 शुद्ध पिण्ड 133			
मंगल	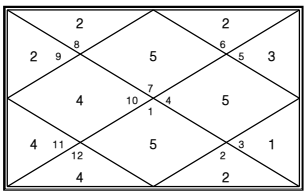	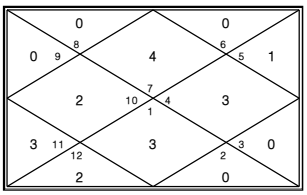	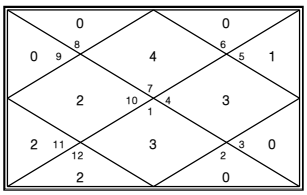
राशि पिण्ड 127 ग्रह पिण्ड 67 शुद्ध पिण्ड 194			
बुध	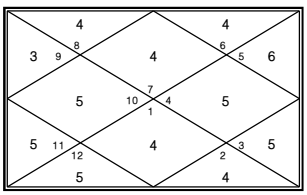	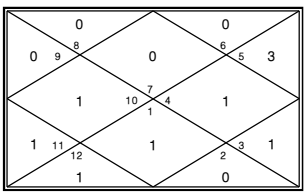	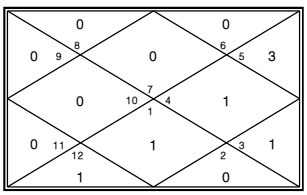
राशि पिण्ड 61 ग्रह पिण्ड 5 शुद्ध पिण्ड 66			
गुरु	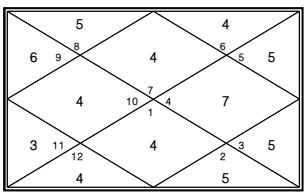	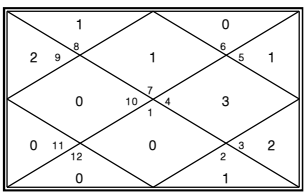	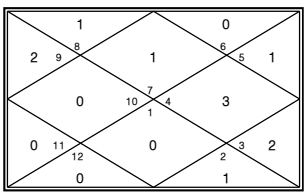
राशि पिण्ड 81 ग्रह पिण्ड 50 शुद्ध पिण्ड 131			
शुक्र	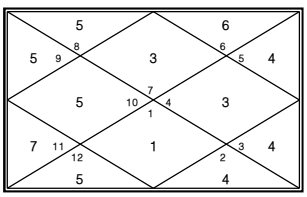	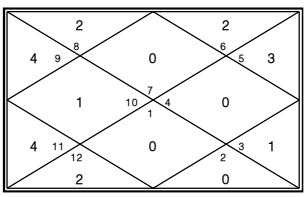	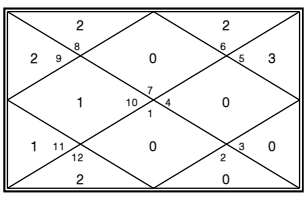
राशि पिण्ड 116 ग्रह पिण्ड 34 शुद्ध पिण्ड 150			
शनि	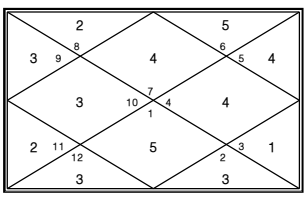	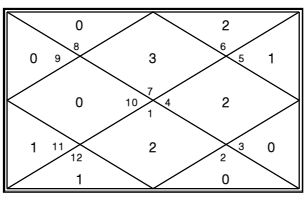	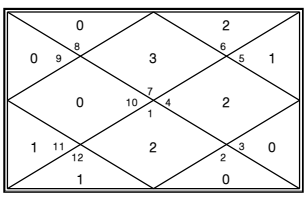
राशि पिण्ड 88 ग्रह पिण्ड 59 शुद्ध पिण्ड 147			
लग्न	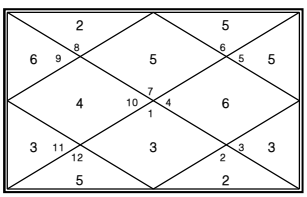	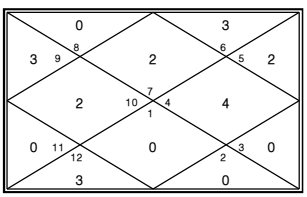	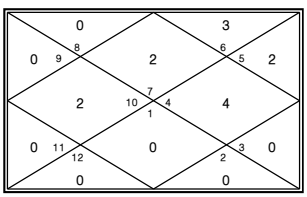
राशि पिण्ड 78 ग्रह पिण्ड 61 शुद्ध पिण्ड 139			

विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि 18वर्ष-1मास-26दिन
जन्मकालीन दशा : श-श-बु-श-श

शनि (19व) 0 वर्ष से 18व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	25-10-1976	24-12-1978
बुध	24-12-1978	03-09-1981
केतु	03-09-1981	12-10-1982
शुक्र	12-10-1982	12-12-1985
सूर्य	12-12-1985	24-11-1986
चन्द्र	24-11-1986	24-06-1988
मंगल	24-06-1988	03-08-1989
राहु	03-08-1989	09-06-1992
गुरु	09-06-1992	21-12-1994

बुध (17व) 18व1म से 35व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-12-1994	19-05-1997
केतु	19-05-1997	16-05-1998
शुक्र	16-05-1998	16-03-2001
सूर्य	16-03-2001	20-01-2002
चन्द्र	20-01-2002	22-06-2003
मंगल	22-06-2003	18-06-2004
राहु	18-06-2004	05-01-2007
गुरु	05-01-2007	12-04-2009
शनि	12-04-2009	21-12-2011

केतु (7व) 35व1म से 42व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	21-12-2011	19-05-2012
शुक्र	19-05-2012	19-07-2013
सूर्य	19-07-2013	24-11-2013
चन्द्र	24-11-2013	25-06-2014
मंगल	25-06-2014	21-11-2014
राहु	21-11-2014	09-12-2015
गुरु	09-12-2015	14-11-2016
शनि	14-11-2016	24-12-2017
बुध	24-12-2017	21-12-2018

शुक्र (20व) 42व1म से 62व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-12-2018	22-04-2022
सूर्य	22-04-2022	22-04-2023
चन्द्र	22-04-2023	21-12-2024
मंगल	21-12-2024	20-02-2026
राहु	20-02-2026	19-02-2029
गुरु	19-02-2029	21-10-2031
शनि	21-10-2031	21-12-2034
बुध	21-12-2034	21-10-2037
केतु	21-10-2037	21-12-2038

सूर्य (6व) 62व1म से 68व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	21-12-2038	10-04-2039
चन्द्र	10-04-2039	09-10-2039
मंगल	09-10-2039	14-02-2040
राहु	14-02-2040	08-01-2041
गुरु	08-01-2041	27-10-2041
शनि	27-10-2041	09-10-2042
बुध	09-10-2042	15-08-2043
केतु	15-08-2043	21-12-2043
शुक्र	21-12-2043	20-12-2044

चन्द्र (10व) 68व1म से 78व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-12-2044	21-10-2045
मंगल	21-10-2045	22-05-2046
राहु	22-05-2046	21-11-2047
गुरु	21-11-2047	22-03-2049
शनि	22-03-2049	21-10-2050
बुध	21-10-2050	21-03-2052
केतु	21-03-2052	20-10-2052
शुक्र	20-10-2052	21-06-2054
सूर्य	21-06-2054	21-12-2054

मंगल (7व) 78व1म से 85व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-12-2054	19-05-2055
राहु	19-05-2055	05-06-2056
गुरु	05-06-2056	12-05-2057
शनि	12-05-2057	21-06-2058
बुध	21-06-2058	18-06-2059
केतु	18-06-2059	15-11-2059
शुक्र	15-11-2059	14-01-2061
सूर्य	14-01-2061	21-05-2061
चन्द्र	21-05-2061	21-12-2061

राहु (18व) 85व1म से 103व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	21-12-2061	02-09-2064
गुरु	02-09-2064	26-01-2067
शनि	26-01-2067	02-12-2069
बुध	02-12-2069	21-06-2072
केतु	21-06-2072	09-07-2073
शुक्र	09-07-2073	09-07-2076
सूर्य	09-07-2076	03-06-2077
चन्द्र	03-06-2077	02-12-2078
मंगल	02-12-2078	21-12-2079

गुरु (16व) 103व1म से 119व1म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	21-12-2079	07-02-2082
शनि	07-02-2082	20-08-2084
बुध	20-08-2084	26-11-2086
केतु	26-11-2086	02-11-2087
शुक्र	02-11-2087	03-07-2090
सूर्य	03-07-2090	21-04-2091
चन्द्र	21-04-2091	20-08-2092
मंगल	20-08-2092	27-07-2093
राहु	27-07-2093	21-12-2095

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-शनि	
आरम्भ	25-10-1976
अन्त	24-12-1978
शनि	
बुध	15-11-1976
केतु	18-01-1977
शुक्र	21-07-1977
सूर्य	13-09-1977
चंद्र	14-12-1977
मंगल	16-02-1978
राहु	31-07-1978
गुरु	24-12-1978

शनि-बुध	
आरम्भ	24-12-1978
अन्त	03-09-1981
बुध	13-05-1979
केतु	09-07-1979
शुक्र	20-12-1979
सूर्य	07-02-1980
चंद्र	29-04-1980
मंगल	25-06-1980
राहु	20-11-1980
गुरु	31-03-1981
शनि	03-09-1981

शनि-केतु	
आरम्भ	03-09-1981
अन्त	12-10-1982
केतु	26-09-1981
शुक्र	03-12-1981
सूर्य	23-12-1981
चंद्र	26-01-1982
मंगल	18-02-1982
राहु	20-04-1982
गुरु	13-06-1982
शनि	16-08-1982
बुध	12-10-1982

शनि-शुक्र	
आरम्भ	12-10-1982
अन्त	12-12-1985
शुक्र	23-04-1983
सूर्य	20-06-1983
चंद्र	24-09-1983
मंगल	01-12-1983
राहु	22-05-1984
गुरु	24-10-1984
शनि	25-04-1985
बुध	06-10-1985
केतु	12-12-1985

शनि-सूर्य	
आरम्भ	12-12-1985
अन्त	24-11-1986
सूर्य	29-12-1985
चंद्र	27-01-1986
मंगल	16-02-1986
राहु	10-04-1986
गुरु	26-05-1986
शनि	20-07-1986
बुध	07-09-1986
केतु	27-09-1986
शुक्र	24-11-1986

शनि-चंद्र	
आरम्भ	24-11-1986
अन्त	24-06-1988
चंद्र	11-01-1987
मंगल	14-02-1987
राहु	12-05-1987
गुरु	28-07-1987
शनि	27-10-1987
बुध	17-01-1988
केतु	20-02-1988
शुक्र	26-05-1988
सूर्य	24-06-1988

शनि-मंगल	
आरम्भ	24-06-1988
अन्त	03-08-1989
मंगल	18-07-1988
राहु	17-09-1988
गुरु	10-11-1988
शनि	13-01-1989
बुध	11-03-1989
केतु	04-04-1989
शुक्र	10-06-1989
सूर्य	30-06-1989
चंद्र	03-08-1989

शनि-राहु	
आरम्भ	03-08-1989
अन्त	09-06-1992
राहु	06-01-1990
गुरु	25-05-1990
शनि	06-11-1990
बुध	02-04-1991
केतु	02-06-1991
शुक्र	23-11-1991
सूर्य	14-01-1992
चंद्र	09-04-1992
मंगल	09-06-1992

शनि-गुरु	
आरम्भ	09-06-1992
अन्त	21-12-1994
गुरु	10-10-1992
शनि	06-03-1993
बुध	15-07-1993
केतु	07-09-1993
शुक्र	08-02-1994
सूर्य	26-03-1994
चंद्र	12-06-1994
मंगल	05-08-1994
राहु	21-12-1994

बुध-बुध	
आरम्भ	21-12-1994
अन्त	19-05-1997
बुध	25-04-1995
केतु	15-06-1995
शुक्र	09-11-1995
सूर्य	23-12-1995
चंद्र	05-03-1996
मंगल	25-04-1996
राहु	04-09-1996
गुरु	31-12-1996
शनि	19-05-1997

बुध-केतु	
आरम्भ	19-05-1997
अन्त	16-05-1998
केतु	09-06-1997
शुक्र	08-08-1997
सूर्य	27-08-1997
चंद्र	26-09-1997
मंगल	17-10-1997
राहु	10-12-1997
गुरु	27-01-1998
शनि	26-03-1998
बुध	16-05-1998

बुध-शुक्र	
आरम्भ	16-05-1998
अन्त	16-03-2001
शुक्र	05-11-1998
सूर्य	26-12-1998
चंद्र	23-03-1999
मंगल	22-05-1999
राहु	24-10-1999
गुरु	10-03-2000
शनि	21-08-2000
बुध	15-01-2001
केतु	16-03-2001

बुध-सूर्य	
आरम्भ	16-03-2001
अन्त	20-01-2002
सूर्य	01-04-2001
चंद्र	26-04-2001
मंगल	14-05-2001
राहु	30-06-2001
गुरु	10-08-2001
शनि	29-09-2001
बुध	12-11-2001
केतु	30-11-2001
शुक्र	20-01-2002

बुध-चंद्र	
आरम्भ	20-01-2002
अन्त	22-06-2003
चंद्र	05-03-2002
मंगल	04-04-2002
राहु	20-06-2002
गुरु	28-08-2002
शनि	18-11-2002
बुध	31-01-2003
केतु	02-03-2003
शुक्र	27-05-2003
सूर्य	22-06-2003

बुध-मंगल	
आरम्भ	22-06-2003
अन्त	18-06-2004
मंगल	13-07-2003
राहु	05-09-2003
गुरु	24-10-2003
शनि	20-12-2003
बुध	09-02-2004
केतु	01-03-2004
शुक्र	01-05-2004
सूर्य	19-05-2004
चंद्र	18-06-2004

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

बुध-राहु	
आरम्भ	18-06-2004
अन्त	05-01-2007
राहु	05-11-2004
गुरु	09-03-2005
शनि	03-08-2005
बुध	13-12-2005
केतु	06-02-2006
शुक्र	11-07-2006
सूर्य	26-08-2006
चंद्र	12-11-2006
मंगल	05-01-2007

बुध-गुरु	
आरम्भ	05-01-2007
अन्त	12-04-2009
गुरु	26-04-2007
शनि	04-09-2007
बुध	30-12-2007
केतु	16-02-2008
शुक्र	03-07-2008
सूर्य	14-08-2008
चंद्र	22-10-2008
मंगल	09-12-2008
राहु	12-04-2009

बुध-शनि	
आरम्भ	12-04-2009
अन्त	21-12-2011
शनि	15-09-2009
बुध	01-02-2010
केतु	31-03-2010
शुक्र	10-09-2010
सूर्य	30-10-2010
चंद्र	20-01-2011
मंगल	18-03-2011
राहु	12-08-2011
गुरु	21-12-2011

केतु-केतु	
आरम्भ	21-12-2011
अन्त	19-05-2012
केतु	30-12-2011
शुक्र	24-01-2012
सूर्य	31-01-2012
चंद्र	13-02-2012
मंगल	22-02-2012
राहु	15-03-2012
गुरु	04-04-2012
शनि	27-04-2012
बुध	19-05-2012

केतु-शुक्र	
आरम्भ	19-05-2012
अन्त	19-07-2013
शुक्र	29-07-2012
सूर्य	19-08-2012
चंद्र	23-09-2012
मंगल	18-10-2012
राहु	21-12-2012
गुरु	16-02-2013
शनि	24-04-2013
बुध	24-06-2013
केतु	19-07-2013

केतु-सूर्य	
आरम्भ	19-07-2013
अन्त	24-11-2013
सूर्य	25-07-2013
चंद्र	05-08-2013
मंगल	12-08-2013
राहु	31-08-2013
गुरु	17-09-2013
शनि	08-10-2013
बुध	26-10-2013
केतु	02-11-2013
शुक्र	24-11-2013

केतु-चंद्र	
आरम्भ	24-11-2013
अन्त	25-06-2014
चंद्र	11-12-2013
मंगल	24-12-2013
राहु	25-01-2014
गुरु	22-02-2014
शनि	28-03-2014
बुध	27-04-2014
केतु	09-05-2014
शुक्र	14-06-2014
सूर्य	25-06-2014

केतु-मंगल	
आरम्भ	25-06-2014
अन्त	21-11-2014
मंगल	03-07-2014
राहु	26-07-2014
गुरु	15-08-2014
शनि	07-09-2014
बुध	28-09-2014
केतु	07-10-2014
शुक्र	01-11-2014
सूर्य	08-11-2014
चंद्र	21-11-2014

केतु-राहु	
आरम्भ	21-11-2014
अन्त	09-12-2015
राहु	17-01-2015
गुरु	09-03-2015
शनि	09-05-2015
बुध	02-07-2015
केतु	25-07-2015
शुक्र	27-09-2015
सूर्य	16-10-2015
चंद्र	17-11-2015
मंगल	09-12-2015

केतु-गुरु	
आरम्भ	09-12-2015
अन्त	14-11-2016
गुरु	24-01-2016
शनि	18-03-2016
बुध	05-05-2016
केतु	25-05-2016
शुक्र	21-07-2016
सूर्य	07-08-2016
चंद्र	04-09-2016
मंगल	24-09-2016
राहु	14-11-2016

केतु-शनि	
आरम्भ	14-11-2016
अन्त	24-12-2017
शनि	17-01-2017
बुध	16-03-2017
केतु	08-04-2017
शुक्र	15-06-2017
सूर्य	05-07-2017
चंद्र	08-08-2017
मंगल	31-08-2017
राहु	31-10-2017
गुरु	24-12-2017

केतु-बुध	
आरम्भ	24-12-2017
अन्त	21-12-2018
बुध	13-02-2018
केतु	06-03-2018
शुक्र	06-05-2018
सूर्य	24-05-2018
चंद्र	23-06-2018
मंगल	14-07-2018
राहु	06-09-2018
गुरु	25-10-2018
शनि	21-12-2018

शुक्र-शुक्र	
आरम्भ	21-12-2018
अन्त	22-04-2022
शुक्र	12-07-2019
सूर्य	11-09-2019
चंद्र	21-12-2019
मंगल	01-03-2020
राहु	31-08-2020
गुरु	09-02-2021
शनि	21-08-2021
बुध	10-02-2022
केतु	22-04-2022

शुक्र-सूर्य	
आरम्भ	22-04-2022
अन्त	22-04-2023
सूर्य	10-05-2022
चंद्र	09-06-2022
मंगल	01-07-2022
राहु	24-08-2022
गुरु	12-10-2022
शनि	09-12-2022
बुध	30-01-2023
केतु	20-02-2023
शुक्र	22-04-2023

शुक्र-चंद्र	
आरम्भ	22-04-2023
अन्त	21-12-2024
चंद्र	12-06-2023
मंगल	17-07-2023
राहु	16-10-2023
गुरु	06-01-2024
शनि	11-04-2024
बुध	06-07-2024
केतु	11-08-2024
शुक्र	20-11-2024
सूर्य	21-12-2024

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शुक्र-मंगल	
आरम्भ	21-12-2024
अन्त	20-02-2026
मंगल	14-01-2025
राहु	19-03-2025
गुरु	15-05-2025
शनि	22-07-2025
बुध	20-09-2025
केतु	15-10-2025
शुक्र	25-12-2025
सूर्य	15-01-2026
चंद्र	20-02-2026

शुक्र-राहु	
आरम्भ	20-02-2026
अन्त	19-02-2029
राहु	03-08-2026
गुरु	27-12-2026
शनि	19-06-2027
बुध	21-11-2027
केतु	24-01-2028
शुक्र	24-07-2028
सूर्य	17-09-2028
चंद्र	17-12-2028
मंगल	19-02-2029

शुक्र-गुरु	
आरम्भ	19-02-2029
अन्त	21-10-2031
गुरु	29-06-2029
शनि	30-11-2029
बुध	17-04-2030
केतु	13-06-2030
शुक्र	23-11-2030
सूर्य	10-01-2031
चंद्र	01-04-2031
मंगल	28-05-2031
राहु	21-10-2031

शुक्र-शनि	
आरम्भ	21-10-2031
अन्त	21-12-2034
शनि	22-04-2032
बुध	02-10-2032
केतु	09-12-2032
शुक्र	20-06-2033
सूर्य	16-08-2033
चंद्र	21-11-2033
मंगल	27-01-2034
राहु	20-07-2034
गुरु	21-12-2034

शुक्र-बुध	
आरम्भ	21-12-2034
अन्त	21-10-2037
बुध	17-05-2035
केतु	16-07-2035
शुक्र	04-01-2036
सूर्य	25-02-2036
चंद्र	21-05-2036
मंगल	21-07-2036
राहु	23-12-2036
गुरु	10-05-2037
शनि	21-10-2037

शुक्र-केतु	
आरम्भ	21-10-2037
अन्त	21-12-2038
केतु	15-11-2037
शुक्र	25-01-2038
सूर्य	15-02-2038
चंद्र	23-03-2038
मंगल	16-04-2038
राहु	19-06-2038
गुरु	15-08-2038
शनि	22-10-2038
बुध	21-12-2038

सूर्य-सूर्य	
आरम्भ	21-12-2038
अन्त	10-04-2039
सूर्य	26-12-2038
चंद्र	05-01-2039
मंगल	11-01-2039
राहु	27-01-2039
गुरु	11-02-2039
शनि	28-02-2039
बुध	16-03-2039
केतु	22-03-2039
शुक्र	10-04-2039

सूर्य-चंद्र	
आरम्भ	10-04-2039
अन्त	09-10-2039
चंद्र	25-04-2039
मंगल	05-05-2039
राहु	02-06-2039
गुरु	26-06-2039
शनि	25-07-2039
बुध	20-08-2039
केतु	31-08-2039
शुक्र	30-09-2039
सूर्य	09-10-2039

सूर्य-मंगल	
आरम्भ	09-10-2039
अन्त	14-02-2040
मंगल	17-10-2039
राहु	05-11-2039
गुरु	22-11-2039
शनि	12-12-2039
बुध	30-12-2039
केतु	07-01-2040
शुक्र	28-01-2040
सूर्य	03-02-2040
चंद्र	14-02-2040

सूर्य-राहु	
आरम्भ	14-02-2040
अन्त	08-01-2041
राहु	03-04-2040
गुरु	17-05-2040
शनि	08-07-2040
बुध	24-08-2040
केतु	12-09-2040
शुक्र	06-11-2040
सूर्य	22-11-2040
चंद्र	20-12-2040
मंगल	08-01-2041

सूर्य-गुरु	
आरम्भ	08-01-2041
अन्त	27-10-2041
गुरु	16-02-2041
शनि	03-04-2041
बुध	14-05-2041
केतु	31-05-2041
शुक्र	19-07-2041
सूर्य	03-08-2041
चंद्र	27-08-2041
मंगल	13-09-2041
राहु	27-10-2041

सूर्य-शनि	
आरम्भ	27-10-2041
अन्त	09-10-2042
शनि	21-12-2041
बुध	08-02-2042
केतु	28-02-2042
शुक्र	27-04-2042
सूर्य	14-05-2042
चंद्र	12-06-2042
मंगल	03-07-2042
राहु	24-08-2042
गुरु	09-10-2042

सूर्य-बुध	
आरम्भ	09-10-2042
अन्त	15-08-2043
बुध	22-11-2042
केतु	10-12-2042
शुक्र	31-01-2043
सूर्य	15-02-2043
चंद्र	13-03-2043
मंगल	31-03-2043
राहु	17-05-2043
गुरु	27-06-2043
शनि	15-08-2043

सूर्य-केतु	
आरम्भ	15-08-2043
अन्त	21-12-2043
केतु	23-08-2043
शुक्र	13-09-2043
सूर्य	19-09-2043
चंद्र	30-09-2043
मंगल	08-10-2043
राहु	27-10-2043
गुरु	13-11-2043
शनि	03-12-2043
बुध	21-12-2043

सूर्य-शुक्र	
आरम्भ	21-12-2043
अन्त	20-12-2044
शुक्र	20-02-2044
सूर्य	09-03-2044
चंद्र	09-04-2044
मंगल	30-04-2044
राहु	24-06-2044
गुरु	12-08-2044
शनि	08-10-2044
बुध	29-11-2044
केतु	20-12-2044

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

चंद्र-चंद्र	
आरम्भ	20-12-2044
अन्त	21-10-2045
चंद्र	15-01-2045
मंगल	02-02-2045
राहु	19-03-2045
गुरु	29-04-2045
शनि	16-06-2045
बुध	29-07-2045
केतु	16-08-2045
शुक्र	06-10-2045
सूर्य	21-10-2045

चंद्र-मंगल	
आरम्भ	21-10-2045
अन्त	22-05-2046
मंगल	02-11-2045
राहु	04-12-2045
गुरु	02-01-2046
शनि	04-02-2046
बुध	06-03-2046
केतु	19-03-2046
शुक्र	23-04-2046
सूर्य	04-05-2046
चंद्र	22-05-2046

चंद्र-राहु	
आरम्भ	22-05-2046
अन्त	21-11-2047
राहु	12-08-2046
गुरु	24-10-2046
शनि	19-01-2047
बुध	06-04-2047
केतु	08-05-2047
शुक्र	08-08-2047
सूर्य	04-09-2047
चंद्र	20-10-2047
मंगल	21-11-2047

चंद्र-गुरु	
आरम्भ	21-11-2047
अन्त	22-03-2049
गुरु	25-01-2048
शनि	11-04-2048
बुध	19-06-2048
केतु	17-07-2048
शुक्र	06-10-2048
सूर्य	31-10-2048
चंद्र	10-12-2048
मंगल	08-01-2049
राहु	22-03-2049

चंद्र-शनि	
आरम्भ	22-03-2049
अन्त	21-10-2050
शनि	21-06-2049
बुध	11-09-2049
केतु	15-10-2049
शुक्र	19-01-2050
सूर्य	17-02-2050
चंद्र	06-04-2050
मंगल	10-05-2050
राहु	05-08-2050
गुरु	21-10-2050

चंद्र-बुध	
आरम्भ	21-10-2050
अन्त	21-03-2052
बुध	02-01-2051
केतु	01-02-2051
शुक्र	29-04-2051
सूर्य	25-05-2051
चंद्र	07-07-2051
मंगल	06-08-2051
राहु	23-10-2051
गुरु	30-12-2051
शनि	21-03-2052

चंद्र-केतु	
आरम्भ	21-03-2052
अन्त	20-10-2052
केतु	03-04-2052
शुक्र	08-05-2052
सूर्य	19-05-2052
चंद्र	06-06-2052
मंगल	18-06-2052
राहु	20-07-2052
गुरु	18-08-2052
शनि	20-09-2052
बुध	20-10-2052

चंद्र-शुक्र	
आरम्भ	20-10-2052
अन्त	21-06-2054
शुक्र	30-01-2053
सूर्य	01-03-2053
चंद्र	21-04-2053
मंगल	27-05-2053
राहु	26-08-2053
गुरु	15-11-2053
शनि	19-02-2054
बुध	17-05-2054
केतु	21-06-2054

चंद्र-सूर्य	
आरम्भ	21-06-2054
अन्त	21-12-2054
सूर्य	30-06-2054
चंद्र	16-07-2054
मंगल	26-07-2054
राहु	23-08-2054
गुरु	16-09-2054
शनि	15-10-2054
बुध	10-11-2054
केतु	20-11-2054
शुक्र	21-12-2054

मंगल-मंगल	
आरम्भ	21-12-2054
अन्त	19-05-2055
मंगल	30-12-2054
राहु	21-01-2055
गुरु	10-02-2055
शनि	05-03-2055
बुध	27-03-2055
केतु	04-04-2055
शुक्र	29-04-2055
सूर्य	07-05-2055
चंद्र	19-05-2055

मंगल-राहु	
आरम्भ	19-05-2055
अन्त	05-06-2056
राहु	16-07-2055
गुरु	05-09-2055
शनि	04-11-2055
बुध	29-12-2055
केतु	20-01-2056
शुक्र	24-03-2056
सूर्य	12-04-2056
चंद्र	14-05-2056
मंगल	05-06-2056

मंगल-गुरु	
आरम्भ	05-06-2056
अन्त	12-05-2057
गुरु	21-07-2056
शनि	13-09-2056
बुध	31-10-2056
केतु	20-11-2056
शुक्र	16-01-2057
सूर्य	02-02-2057
चंद्र	02-03-2057
मंगल	22-03-2057
राहु	12-05-2057

मंगल-शनि	
आरम्भ	12-05-2057
अन्त	21-06-2058
शनि	15-07-2057
बुध	11-09-2057
केतु	04-10-2057
शुक्र	11-12-2057
सूर्य	31-12-2057
चंद्र	03-02-2058
मंगल	26-02-2058
राहु	28-04-2058
गुरु	21-06-2058

मंगल-बुध	
आरम्भ	21-06-2058
अन्त	18-06-2059
बुध	11-08-2058
केतु	02-09-2058
शुक्र	01-11-2058
सूर्य	19-11-2058
चंद्र	19-12-2058
मंगल	09-01-2059
राहु	05-03-2059
गुरु	22-04-2059
शनि	18-06-2059

मंगल-केतु	
आरम्भ	18-06-2059
अन्त	15-11-2059
केतु	27-06-2059
शुक्र	22-07-2059
सूर्य	29-07-2059
चंद्र	11-08-2059
मंगल	20-08-2059
राहु	11-09-2059
गुरु	01-10-2059
शनि	24-10-2059
बुध	15-11-2059

विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

मंगल-शुक्र	
आरम्भ	15-11-2059
अन्त	14-01-2061
शुक्र	25-01-2060
सूर्य	15-02-2060
चंद्र	21-03-2060
मंगल	15-04-2060
राहु	18-06-2060
गुरु	14-08-2060
शनि	20-10-2060
बुध	20-12-2060
केतु	14-01-2061

मंगल-सूर्य	
आरम्भ	14-01-2061
अन्त	21-05-2061
सूर्य	20-01-2061
चंद्र	31-01-2061
मंगल	07-02-2061
राहु	26-02-2061
गुरु	15-03-2061
शनि	05-04-2061
बुध	23-04-2061
केतु	30-04-2061
शुक्र	21-05-2061

मंगल-चंद्र	
आरम्भ	21-05-2061
अन्त	21-12-2061
चंद्र	08-06-2061
मंगल	21-06-2061
राहु	23-07-2061
गुरु	20-08-2061
शनि	23-09-2061
बुध	23-10-2061
केतु	04-11-2061
शुक्र	10-12-2061
सूर्य	21-12-2061

राहु-राहु	
आरम्भ	21-12-2061
अन्त	02-09-2064
राहु	17-05-2062
गुरु	26-09-2062
शनि	01-03-2063
बुध	19-07-2063
केतु	14-09-2063
शुक्र	26-02-2064
सूर्य	15-04-2064
चंद्र	06-07-2064
मंगल	02-09-2064

राहु-गुरु	
आरम्भ	02-09-2064
अन्त	26-01-2067
गुरु	28-12-2064
शनि	15-05-2065
बुध	17-09-2065
केतु	07-11-2065
शुक्र	02-04-2066
सूर्य	16-05-2066
चंद्र	28-07-2066
मंगल	17-09-2066
राहु	26-01-2067

राहु-शनि	
आरम्भ	26-01-2067
अन्त	02-12-2069
शनि	10-07-2067
बुध	05-12-2067
केतु	03-02-2068
शुक्र	26-07-2068
सूर्य	16-09-2068
चंद्र	12-12-2068
मंगल	10-02-2069
राहु	16-07-2069
गुरु	02-12-2069

राहु-बुध	
आरम्भ	02-12-2069
अन्त	21-06-2072
बुध	13-04-2070
केतु	06-06-2070
शुक्र	09-11-2070
सूर्य	25-12-2070
चंद्र	13-03-2071
मंगल	06-05-2071
राहु	23-09-2071
गुरु	25-01-2072
शनि	21-06-2072

राहु-केतु	
आरम्भ	21-06-2072
अन्त	09-07-2073
केतु	13-07-2072
शुक्र	15-09-2072
सूर्य	04-10-2072
चंद्र	05-11-2072
मंगल	27-11-2072
राहु	24-01-2073
गुरु	16-03-2073
शनि	16-05-2073
बुध	09-07-2073

राहु-शुक्र	
आरम्भ	09-07-2073
अन्त	09-07-2076
शुक्र	08-01-2074
सूर्य	03-03-2074
चंद्र	03-06-2074
मंगल	06-08-2074
राहु	17-01-2075
गुरु	12-06-2075
शनि	03-12-2075
बुध	06-05-2076
केतु	09-07-2076

राहु-सूर्य	
आरम्भ	09-07-2076
अन्त	03-06-2077
सूर्य	25-07-2076
चंद्र	22-08-2076
मंगल	10-09-2076
राहु	29-10-2076
गुरु	12-12-2076
शनि	02-02-2077
बुध	21-03-2077
केतु	09-04-2077
शुक्र	03-06-2077

राहु-चंद्र	
आरम्भ	03-06-2077
अन्त	02-12-2078
चंद्र	18-07-2077
मंगल	19-08-2077
राहु	09-11-2077
गुरु	21-01-2078
शनि	18-04-2078
बुध	05-07-2078
केतु	06-08-2078
शुक्र	05-11-2078
सूर्य	02-12-2078

राहु-मंगल	
आरम्भ	02-12-2078
अन्त	21-12-2079
मंगल	25-12-2078
राहु	20-02-2079
गुरु	12-04-2079
शनि	12-06-2079
बुध	05-08-2079
केतु	28-08-2079
शुक्र	31-10-2079
सूर्य	19-11-2079
चंद्र	21-12-2079

गुरु-गुरु	
आरम्भ	21-12-2079
अन्त	07-02-2082
गुरु	03-04-2080
शनि	04-08-2080
बुध	23-11-2080
केतु	07-01-2081
शुक्र	17-05-2081
सूर्य	25-06-2081
चंद्र	29-08-2081
मंगल	13-10-2081
राहु	07-02-2082

गुरु-शनि	
आरम्भ	07-02-2082
अन्त	20-08-2084
शनि	04-07-2082
बुध	12-11-2082
केतु	05-01-2083
शुक्र	08-06-2083
सूर्य	24-07-2083
चंद्र	09-10-2083
मंगल	02-12-2083
राहु	19-04-2084
गुरु	20-08-2084

गुरु-बुध	
आरम्भ	20-08-2084
अन्त	26-11-2086
बुध	16-12-2084
केतु	02-02-2085
शुक्र	20-06-2085
सूर्य	31-07-2085
चंद्र	08-10-2085
मंगल	26-11-2085
राहु	30-03-2086
गुरु	18-07-2086
शनि	26-11-2086

योगिनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : भ्रामरी 3वर्ष 9मास 26दिन

नीचे दी गई तिथियां दशा अन्त काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

भ्रामरी (4व)		0 वर्ष *
आरम्भ		25-10-1976
अन्त		21-08-1980
भ्रामरी	मंगल	30-01-1977
भद्रिका	बुध	21-08-1977
उल्का	शनि	22-04-1978
सिद्धा	शुक्र	31-01-1979
संकटा	राहु	21-12-1979
मंगला	चंद्र	31-01-1980
पिंगला	सूर्य	21-04-1980
धान्या	गुरु	21-08-1980

भद्रिका (5व)		3व9म
आरम्भ		21-08-1980
अन्त		21-08-1985
भद्रिका	बुध	02-05-1981
उल्का	शनि	02-03-1982
सिद्धा	शुक्र	20-02-1983
संकटा	राहु	01-04-1984
मंगला	चंद्र	22-05-1984
पिंगला	सूर्य	31-08-1984
धान्या	गुरु	30-01-1985
भ्रामरी	मंगल	21-08-1985

उल्का (6व)		8व9म
आरम्भ		21-08-1985
अन्त		22-08-1991
उल्का	शनि	21-08-1986
सिद्धा	शुक्र	21-10-1987
संकटा	राहु	19-02-1989
मंगला	चंद्र	21-04-1989
पिंगला	सूर्य	21-08-1989
धान्या	गुरु	20-02-1990
भ्रामरी	मंगल	21-10-1990
भद्रिका	बुध	22-08-1991

सिद्धा (7व)		14व9म
आरम्भ		22-08-1991
अन्त		21-08-1998
सिद्धा	शुक्र	31-12-1992
संकटा	राहु	22-07-1994
मंगला	चंद्र	01-10-1994
पिंगला	सूर्य	20-02-1995
धान्या	गुरु	21-09-1995
भ्रामरी	मंगल	01-07-1996
भद्रिका	बुध	21-06-1997
उल्का	शनि	21-08-1998

संकटा (8व)		21व9म
आरम्भ		21-08-1998
अन्त		21-08-2006
संकटा	राहु	01-06-2000
मंगला	चंद्र	21-08-2000
पिंगला	सूर्य	30-01-2001
धान्या	गुरु	01-10-2001
भ्रामरी	मंगल	21-08-2002
भद्रिका	बुध	01-10-2003
उल्का	शनि	30-01-2005
सिद्धा	शुक्र	21-08-2006

मंगला (1व)		29व9म
आरम्भ		21-08-2006
अन्त		21-08-2007
मंगला	चंद्र	31-08-2006
पिंगला	सूर्य	21-09-2006
धान्या	गुरु	21-10-2006
भ्रामरी	मंगल	01-12-2006
भद्रिका	बुध	20-01-2007
उल्का	शनि	22-03-2007
सिद्धा	शुक्र	01-06-2007
संकटा	राहु	21-08-2007

पिंगला (2व)		30व9म
आरम्भ		21-08-2007
अन्त		21-08-2009
पिंगला	सूर्य	01-10-2007
धान्या	गुरु	01-12-2007
भ्रामरी	मंगल	20-02-2008
भद्रिका	बुध	31-05-2008
उल्का	शनि	30-09-2008
सिद्धा	शुक्र	19-02-2009
संकटा	राहु	01-08-2009
मंगला	चंद्र	21-08-2009

धान्या (3व)		32व9म
आरम्भ		21-08-2009
अन्त		21-08-2012
धान्या	गुरु	20-11-2009
भ्रामरी	मंगल	22-03-2010
भद्रिका	बुध	21-08-2010
उल्का	शनि	20-02-2011
सिद्धा	शुक्र	21-09-2011
संकटा	राहु	21-05-2012
मंगला	चंद्र	21-06-2012
पिंगला	सूर्य	21-08-2012

भ्रामरी (4व)		35व9म
आरम्भ		21-08-2012
अन्त		21-08-2016
भ्रामरी	मंगल	30-01-2013
भद्रिका	बुध	21-08-2013
उल्का	शनि	21-04-2014
सिद्धा	शुक्र	30-01-2015
संकटा	राहु	21-12-2015
मंगला	चंद्र	31-01-2016
पिंगला	सूर्य	21-04-2016
धान्या	गुरु	21-08-2016

योगिनी महा व अन्तर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा अन्त काल की हैं।

* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

भद्रिका (5व)		39व9म'
आरम्भ		21-08-2016
अन्त		21-08-2021
भद्रिका	बुध	01-05-2017
उल्का	शनि	02-03-2018
सिद्धा	शुक्र	20-02-2019
संकटा	राहु	01-04-2020
मंगला	चंद्र	21-05-2020
पिंगला	सूर्य	31-08-2020
धान्या	गुरु	30-01-2021
भ्रामरी	मंगल	21-08-2021

उल्का (6व)		44व9म
आरम्भ		21-08-2021
अन्त		21-08-2027
उल्का	शनि	21-08-2022
सिद्धा	शुक्र	21-10-2023
संकटा	राहु	19-02-2025
मंगला	चंद्र	21-04-2025
पिंगला	सूर्य	21-08-2025
धान्या	गुरु	19-02-2026
भ्रामरी	मंगल	21-10-2026
भद्रिका	बुध	21-08-2027

सिद्धा (7व)		50व9म
आरम्भ		21-08-2027
अन्त		21-08-2034
सिद्धा	शुक्र	30-12-2028
संकटा	राहु	22-07-2030
मंगला	चंद्र	01-10-2030
पिंगला	सूर्य	20-02-2031
धान्या	गुरु	21-09-2031
भ्रामरी	मंगल	01-07-2032
भद्रिका	बुध	21-06-2033
उल्का	शनि	21-08-2034

संकटा (8व)		57व9म
आरम्भ		21-08-2034
अन्त		21-08-2042
संकटा	राहु	31-05-2036
मंगला	चंद्र	20-08-2036
पिंगला	सूर्य	30-01-2037
धान्या	गुरु	30-09-2037
भ्रामरी	मंगल	21-08-2038
भद्रिका	बुध	01-10-2039
उल्का	शनि	30-01-2041
सिद्धा	शुक्र	21-08-2042

मंगला (1व)		65व9म
आरम्भ		21-08-2042
अन्त		21-08-2043
मंगला	चंद्र	31-08-2042
पिंगला	सूर्य	20-09-2042
धान्या	गुरु	21-10-2042
भ्रामरी	मंगल	30-11-2042
भद्रिका	बुध	20-01-2043
उल्का	शनि	22-03-2043
सिद्धा	शुक्र	01-06-2043
संकटा	राहु	21-08-2043

पिंगला (2व)		66व9म
आरम्भ		21-08-2043
अन्त		21-08-2045
पिंगला	सूर्य	01-10-2043
धान्या	गुरु	01-12-2043
भ्रामरी	मंगल	20-02-2044
भद्रिका	बुध	31-05-2044
उल्का	शनि	30-09-2044
सिद्धा	शुक्र	19-02-2045
संकटा	राहु	31-07-2045
मंगला	चंद्र	21-08-2045

धान्या (3व)		68व9म
आरम्भ		21-08-2045
अन्त		20-08-2048
धान्या	गुरु	20-11-2045
भ्रामरी	मंगल	22-03-2046
भद्रिका	बुध	21-08-2046
उल्का	शनि	19-02-2047
सिद्धा	शुक्र	21-09-2047
संकटा	राहु	21-05-2048
मंगला	चंद्र	20-06-2048
पिंगला	सूर्य	20-08-2048

भ्रामरी (4व)		71व9म
आरम्भ		20-08-2048
अन्त		20-08-2052
भ्रामरी	मंगल	30-01-2049
भद्रिका	बुध	21-08-2049
उल्का	शनि	21-04-2050
सिद्धा	शुक्र	30-01-2051
संकटा	राहु	21-12-2051
मंगला	चंद्र	30-01-2052
पिंगला	सूर्य	21-04-2052
धान्या	गुरु	20-08-2052

भद्रिका (5व)		75व9म
आरम्भ		20-08-2052
अन्त		21-08-2057
भद्रिका	बुध	01-05-2053
उल्का	शनि	01-03-2054
सिद्धा	शुक्र	19-02-2055
संकटा	राहु	31-03-2056
मंगला	चंद्र	21-05-2056
पिंगला	सूर्य	30-08-2056
धान्या	गुरु	30-01-2057
भ्रामरी	मंगल	21-08-2057

अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध 16वर्ष 9मास 0दिन

जन्मकालीन दशा : बु-बु-बु-शु-चं

बुध (17व) 0 वर्ष -16व9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	25-10-1976	29-03-1979
शनि	29-03-1979	24-10-1980
गुरु	24-10-1980	22-10-1983
राहु	22-10-1983	10-09-1985
शुक्र	10-09-1985	31-12-1988
सूर्य	31-12-1988	11-12-1989
चन्द्र	11-12-1989	21-04-1992
मंगल	21-04-1992	25-07-1993

शनि (10व) 16व9म -26व9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	25-07-1993	28-06-1994
गुरु	28-06-1994	01-04-1996
राहु	01-04-1996	12-05-1997
शुक्र	12-05-1997	22-04-1999
सूर्य	22-04-1999	11-11-1999
चन्द्र	11-11-1999	01-04-2001
मंगल	01-04-2001	28-12-2001
बुध	28-12-2001	25-07-2003

गुरु (19व) 26व9म - 45व9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	25-07-2003	27-11-2006
राहु	27-11-2006	06-01-2009
शुक्र	06-01-2009	17-09-2012
सूर्य	17-09-2012	07-10-2013
चन्द्र	07-10-2013	28-05-2016
मंगल	28-05-2016	24-10-2017
बुध	24-10-2017	20-10-2020
शनि	20-10-2020	25-07-2022

राहु (12व) 45व9म - 57व9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	25-07-2022	24-11-2023
शुक्र	24-11-2023	25-03-2026
सूर्य	25-03-2026	24-11-2026
चन्द्र	24-11-2026	24-07-2028
मंगल	24-07-2028	14-06-2029
बुध	14-06-2029	05-05-2031
शनि	05-05-2031	14-06-2032
गुरु	14-06-2032	25-07-2034

शुक्र (21व) 57व9म - 78व9म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	25-07-2034	24-08-2038
सूर्य	24-08-2038	24-10-2039
चन्द्र	24-10-2039	24-09-2042
मंगल	24-09-2042	14-04-2044
बुध	14-04-2044	04-08-2047
शनि	04-08-2047	14-07-2049
गुरु	14-07-2049	25-03-2053
राहु	25-03-2053	25-07-2055

सूर्य (6व) 78व9म - 84व8म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	25-07-2055	24-11-2055
चन्द्र	24-11-2055	23-09-2056
मंगल	23-09-2056	04-03-2057
बुध	04-03-2057	12-02-2058
शनि	12-02-2058	03-09-2058
गुरु	03-09-2058	24-09-2059
राहु	24-09-2059	24-05-2060
शुक्र	24-05-2060	24-07-2061

चन्द्र (15व) 84व8म - 99व8म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-07-2061	24-08-2063
मंगल	24-08-2063	03-10-2064
बुध	03-10-2064	13-02-2067
शनि	13-02-2067	04-07-2068
गुरु	04-07-2068	23-02-2071
राहु	23-02-2071	23-10-2072
शुक्र	23-10-2072	24-09-2075
सूर्य	24-09-2075	24-07-2076

मंगल (8व) 99व8म - 107व8म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	24-07-2076	26-02-2077
बुध	26-02-2077	31-05-2078
शनि	31-05-2078	26-02-2079
गुरु	26-02-2079	24-07-2080
राहु	24-07-2080	14-06-2081
शुक्र	14-06-2081	03-01-2083
सूर्य	03-01-2083	14-06-2083
चन्द्र	14-06-2083	24-07-2084

अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।

जीवन फलादेश

आप प्रभावशली व्यक्तित्व वाले हैं। आप अपने मोहक स्वरुप से जीवन में प्रगति करते हैं, पर ध्यान रखिए इस प्रक्रिया से कोई आहत न हो। कभी-कभी आप समझ नहीं पाते कि आप अपने मनोहर स्वरुप को किस प्रकार प्रस्तुत करें। आपकी उपस्थिति सम्मोहक होती है। आपका व्यक्तित्व बहिर्मुखी है। आप हाजिर जवाब हैं। आप शान्त, अन्तर्मुखी तथा हंसमुख व्यक्ति हैं। आप विशुद्ध रुप से प्रमुदित व्यक्ति हैं। आप मिलनसार हैं। आप प्रसन्न चित हैं।

आप कहीं भी जाने के लिए तत्पर रहते हैं। आप कूटनीतिज्ञ व्यक्ति हैं। आप विवादों व बहस से यथा संभव दूर रहना पसंद करते हैं। आप जीवन में स्थायित्व के लिए कूटनीति से पूर्ण प्रयास करते हैं।

आप अपने कार्य के प्रति जिम्मेदार हैं। आप अपने से बड़े व्यक्तियों के प्रति बचन बद्ध रहते हैं। आप मौन रहने वाले व्यक्ति हैं। आप गंभीर व्यक्ति हैं।

विभिन्न मुश्किलों में भी आप अपने वायदे निभाते हैं। अपने शब्दों पर अडिग रहते है, व आप अपना सम्मान बनाए रखते हैं। आप शालीन है, नेपथ्य से कार्य करते है इस कारण आपको बहुत थोड़ा सा महत्व ही मिल पाता है। आप आर्दशवादी हैं। आप समझ दार हैं तथा व्यस्त सुधारक हैं जो कि समाज में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आप हर बात की गहराई में जाकर उसके कारणों का पता लगाना चाहते हैं। आप आत्म विश्वास से परिपूर्ण, तीव्रता से कार्य करने वाले बुद्धिजीवी तथा आडम्बर रहित हैं। आप बुद्धिमान हैं। आपमें गहरी समझ हैं।

आप ऊर्जावान हैं। आप आत्म विश्वासी हैं। आप सुदृढ व्यक्ति हैं। आप स्पष्ट वादी हैं।

आप आवेगशील, अति संवेदन शील, भावुक, तार्किक, शक्तिशाली तथा विवेकपूर्ण व्यक्ति हैं। आप हठधर्मी (निश्चयतात्मक) हैं। आप बहुदर हैं। आप स्वयं को कुलीन वर्ग का दिखाना चाहते हैं।

आपकी उपस्थिति दर्शनीय होती है। आप प्रतियोगिताओं की ओर आसानी से आकर्षित हो जाते हैं। आप प्रतिस्पर्धा में विजयी रहते हैं। पर, आप बहुत प्रतिस्पर्धाओं में भाग भी लेते हैं। आपमें नैसर्गिक और प्रयासरहित रुप से शक्तियां निहित हैं। आपकी राय पर दूसरों का और दूसरों की राय पर आपका काफी प्रभाव रहता है। अपने निकटतम मित्रों, भागीदारों और अपने जीवनसाथी पर आपका पूरा प्रभाव पड़ता है। आपमें नेतृत्व के गुण हैं। आप विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य का जिम्मा लेकर दूसरों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

आपमें निरंतरता का अभाव है। वादा निभाना, अनुशासन और स्थिरता की आपमें कमी हो सकती है। भाषण और क्रियाकलापों के माध्यम से दूसरों को प्रभावित करना आपको पसंद नहीं है। सीमित या निजि परिस्थितियों में ही आप अपना ऊर्जावान और मजाकिया स्वरुप दिखाते हैं।

आप घमण्डी हैं। थोड़ा करके ज्यादा पाने में आपको गर्व महसूस होता है। आप कुछ दंभी किस्म के व्यक्ति हैं। आप स्वयं के हितों के प्रति सचेत हैं। एक बार लक्ष्य निर्धारित करने पर पूरे मनोयोग से आप उसे पूरा करने में जुट जाते हैं। आप कभी-कभी लापरवाह होकर दूसरों को नजर अंदाज कर जल्दबाजी में निर्णय ले लेते हैं। आपको विरोधी विचार पसंद नहीं आते हैं। आप उग्र और कार्यशील हैं, पर आप अच्छे परामर्श को भी अस्वीकार कर देते हैं।

आप राज़ रखना जानते हैं। आप चतुर हो सकते हो। आप कुटिल एवं चतुर हो सकते हैं। समय - समय पर आप स्वयं को आलसी अनुभव कर सकते हैं, एवं संसार में कार्य करने के लिए आवश्यक शारीरिक तथा मानसिक शक्ति की कमी महसूस कर सकते हैं,। आप सामाजिक नियमों या प्रस्थापित धर्मों के प्रति कुछ चिड़चिड़े हो सकते हैं।

आप आसानी से क्रोधित हो जाते हैं तथा दूसरों की ओर अहंकार प्रदर्शित करने के लिए प्रवृत्त हो सकते हैं। आपकी प्रकृति में क्रोध की मात्रा काफी है। आप तर्कसंगत हैं एवं आपके संबंध सरलता से इस कारण टूट सकते हैं। आप शीघ्र क्रोधित होते हैं व साथ में चिड़चिड़े एवं द्वेषपूर्ण हो सकते हैं। आपके गर्म स्वभाव के कारण आपके समीप के सहचर आपसे सावधानी से व्यवहार करते हैं। कार्य को पूर्ण करने के लिए आप आक्रमक रवैया अपनाते हैं। आप एक ईर्ष्यालु व्यक्ति हैं। आपमें दोष हैं।

अपने अधिकारों के लिए स्पष्ट रुप से कहना आपके लिए कठिन हो सकता है, क्योंकि आपकी अपनी प्रेरणाओं को छिपाने की प्रवत्ति है तथा आप कोई भी काम छिपा कर करते हैं। आपमें आत्म

– विश्वास व आत्म – विश्वास की कमी दोनों ही हैं। यह संयोजन दूसरों को पागल करता है। यद्यपि आप कुछ आत्म संदेह मन में रखते हैं, एवं आपमें सकारात्मक स्वछवि की कमी है, तब भी आप साहसी एवं विचित्र प्रकार से निश्चयात्मक हैं।

जो आप चाहते हैं, हो सकता है, वह आपको न मिल सके एवं वह किसी और की सम्पत्ति हो सकती है। आप अक्सर इसीलिए कुण्ठित हो सकते हैं क्योंकि आप वह नहीं पा सकते जो आप चाहते हैं। आप सम्भवतः भुलक्कड़ एवं कम ध्यान वाले हो सकते हैं।

आपका शारीरिक गठन उत्तम है। आप डील–डौल में छोटे या नाटे हैं। आपके शरीर का ऊपरी डील–डौल खराब हो सकता है। आप थोड़े गोल–मटोल हो सकते हैं। आपका चहरा चौड़ा है। आपका चहरा बहुत भाव द्योतक है तथा आपकी भावानाओं को झलकाता है। वह आकर्षक है तथा लगभग बचकाना सा है। आपका मुखमण्डल साफ है। आपका मुखमण्डल लाल हैं। आपकी आँखे विशिष्ट व आकर्षक हैं।

आप भाषण देने की तथा शिक्षण कला में उत्तम हो सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति आपको सुनना पसंद करता है। आपकी उत्तम समझदारी को शब्दों में अभिव्यक्त करना प्राकृतिक है तथा आपको श्रेष्ठ शिक्षण सामर्थ्य प्रदान करता है। आपका भाषण मृदु तथा आरामदायक है। आपके पास शक्ति व नियंत्रण का गुप्त कार्यक्रम है। आप जिस तरह से बोलते हैं वह प्रसन्नतादायी होता है। चाहे क्रुद्ध हो, तब भी आपकी वाणी कुछ नम्र व सभ्य होगी। आप स्पष्टवादी तथा दो–टूक बात करने वाले है, परन्तु आप अपने भाषण से दूसरो पर प्रभाव डालने का प्रयास नहीं करते हैं। आप दो–टूक बात करने वाले तथा व्यक्ति या वस्तु के गुण–दोष बयान करने में निपुण हैं। आपका भाषण मनोवैज्ञानिक महत्व के विषयों से संबंधित होता है।

आप अपनी भावनाओं को व्यक्त करना पसंद करते हैं।

यद्यपि आप बात करने में मृदु हैं, सही समय पर आप आवश्यकता से अधिक बात करते हैं। आनकी मौखिक अभिव्यक्ति आधारभूत है, एवं मन्त्रों के उच्चारण या भाषण की विशिष्टता या भाषा की विशेषता के रुप में हो सकती है। अपने विचारों को काव्य या संगीत में ढालना सहायक हो सकता है।

आपके लिए स्वयं को, विशेषतः जन समुदाय के बीच, अभिव्यक्त करना अपेक्षाकृत कठिन है।

आप एक नम्र तथा आकर्षक वक्ता हैं। किन्तु अवसर आने पर आप शीघ्र क्रोधित होते हं। आप अधीरता से बोलने को प्रवृत है।

आपको अपने भावों में ओर आकर्षण व युक्तियाँ लगानी होगी।

आपका दिमाग सन्तुलित है।

आप एक अच्छा वैधानिक दिमाग रखते है। आप गहरे विचारशील है। आप कुशाग्र है। आप गम्भीर व शिक्षित हैं। आप में ग्रहणशील, तत्पर, खोजी, ओजस्वी दिमाग है।

आपका दिमाग जीवन्त है। आप अपने राय व कार्यो में स्वतंत्र है तथा जो भी करते हैं पूरे प्रयासों व साहस से करते हैं। आपका दिमाग सृजनात्मक है। आपके दिमाग में रिश्तों से सम्बन्धित मसले अधिक होते हैं।

आपके पास शोध व खोज की अद्‌भुत क्षमता है। आप बुद्धिजीवी व अर्न्तमुखी हैं।

आप अत्यधिक चिन्ता करते हैं।

आप मानसिक रुप से चिढ़-चिढ़े हो सकते हैं। आपका मानस जीवन में आर्थिक उन्नति में लगा

हुआ है। आपकी सोच आप में चाह जगाती है।

आप भावनात्मक रुप से गम्भीर, सौम्य व दयालु हैं। आप दूसरों को बहुत कुछ देने की चाह में स्वयं आराम की आवश्यकताओं को नकार देते हैं व आपको इसका भुगतान भी नहीं मिलता। भावनात्मक रुप से आप संवेदनशील हैं। आपके निर्णय बुद्धि से जयादा भावनाओं द्वारा निर्धारित होते हैं। आप खुद के व्यक्तित्व को विस्तृत भाग का एक हिस्सा मानने में परेशनी महसूस करते हैं। कभी-कभी जीवन की उन्नति की गति मन्द प्रतीत होती है।

आप मनमौजी हैं तथा कई बार अवसाद के दौर भी आ सकते हैं। आप में कई बार कुछ निराशा या पूर्णता की कमी होती है। इसका एक कारण है, आपका अपने अंर्तभावों को नज़रअंदाज़ करना हैं। कई बार आप मानसिक और शारिरिक रुप से परेशान होते हैं। आप शायद उनसे भयभीत है जो आपको हानि पहुँचाते हैं या वे अपने कौशल से आप पर आक्रमण कारते है, इसलिए आप अपने जीवन को लेकर भी भयभीत होते हैं। आप गुप्त रुप से असुरक्षा या अपनी परिस्थितियों में भय का अनुभव करते हैं। आप अपने को अभिव्यक्त करने में कुछ हिचकिचाएगें क्योंकि यह आपको असुरक्षित होने का अनुभव कराता है।

यदि आपने जीवन जीने की कला में पारंगता प्राप्त नहीं की तो सम्भव है आप भावनात्मक अस्थिरता से पीडित हों जांए।

कई बार आप कमजोर हो जाते हैं।

आपमें अपनी तीक्ष्ण बुद्धि व जागरुकता के कारण जीवन के सत्य को समझने का सामर्थ्य है।

आप अपनी बौद्धिक खोज को ले कर गौरवान्वित महसूस करते हैं।

आप मानसिक रुप से असंगठित हैं।

आप विद्यार्थी हैं। आप अपने अध्ययन द्वारा यान्त्रिक क्षेत्र में प्रगति कर लेते हैं।

आपके पास अच्छे गुरु हैं परन्तु जरुरत के वक्त वे आपके पास नहीं होते।

आप उच्च कोटि के वक्ता हैं, व यह योग्यता अच्छी शिक्षा देने में उपयोगी सिद्ध होगी।

आपने जिस तरह से सोचा उस तरह से योजनाबद्ध रुप से, कुछ रुकावटों के कारण, अपनी शिक्षा पूर्ण नहीं कर पाऐंगे। आप की शिक्षा औसत से भिन्न है। आप महसूस करते हे कि उच्च शिक्षा, आध्यात्म ज्ञान प्राप्त करने के आपके समस्त प्रयास निष्फल हो जाते है।

आपको जीवन के छुपे क्षेत्रों की जानकारी व ज्ञान प्राप्त होगा।

आप पांच इन्द्रियों को नियंत्रित करने का ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं व सफल होगें। आप का ज्ञान विदेशी संस्कृति से प्राप्त है। आप उन क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे जो अन्य के लिये विदेशी हैं।

आप अपने कार्यो में सतत उन्नतिशील हैं व ज़रुरत पड़ने पर मदद भी प्राप्त कर सकते हैं। आपकी कुशलता लगातार विकसित हो रही है। आप हमेशा कार्य पूर्ण करते हैं।

जब आप विरोधियों से रुबरु होते हैं तो आप उन्हें जीत लेते हैं क्योंकि उनकी संधि छिन्न-भिन्न हो जाती है। आप में समस्या निवारण का दक्ष कोशल है। आपमें आकर्षण की योग्यता है। आपमें भाषण व शिक्षण की अच्छी दक्षता है।

आप पूर्वविचार करके अपने कार्यो को तय करते हैं। आप कुशल संगठनकर्ता व प्रशासक हैं। आपमें दूरदर्शी व्यवस्थापन व संचालन की योग्यता है।

आप दूसरों के चेहरे पढ़कर उनके चरित्र को समझ सकते हैं। आपमें किसी भी चीज़ का कारण

जानने के लिये गहराई में उतरने की क्षमता है। आप में युक्तियों व भ्रमित करने वाले दृश्यों को समझने की उत्कृष्ट योग्यता हैं।

आप कुशल हैं व बजट को अच्छे से सन्तुलित कर लेते हैं। आप अपनी आर्थिक तरक्की को नियोजित करने की योग्यता रखतें हैं। आप में एक आर्थिक सलाहकार की अच्छी योग्यता हैं। आप उस धन के साथ निवेश की अच्छी योग्यता रखेंगे जो आपके साझीदार या आप से जुड़े किसी अन्य व्यक्ति का है। व्यर्थ व बेकार जमीन – जायदाद को किसी मूल्यवान चीज़ से बदल सकने की कला आप में हैं। आप चुनौति भरे कार्यो की अच्छी समझ रखते हैं। आप की वाक्पटुता आपके सभी से बने रिश्तों की मददगार है। आपकी स्वभिव्यक्ति श्रेष्ठ है तथा आप लोगों के मध्य अच्छा बोल लेते हैं। आप किसी भी व्यक्ति के अचेतन मन को पढ़ सकते हैं। आपको उपचार, खासतौर पर प्राकृतिक उपचार, का कुछ विशेष ज्ञान है। आपके पास चिकित्सिय कौशल, उपचार में दक्षता व रसायनों के साथ कार्य करने की योग्यता हैं।

आप में कलात्मक व अभिव्यक्ति कौशल का अभाव है।

आपमें प्रतिभा, ताकत व क्षमता का अटूट भण्डार है।

आप अच्छी विवाद योग्यता रखते है फिर भी अपनी शैक्षणिक व बोलने की योग्यता के प्रति असुरक्षित हैं।

आप भावपूर्ण रचनाएँ कर सकते है व जब चाहे पैसे कमा सकते हैं। आपमें कविता, गायन या अन्य भाषा संबंधी कलात्मक योग्यता हैं। आप एक अच्छे गायक व कवि हो सकते हैं। आपमें ध्यान देने योग्य वाक शक्ति, संगीतिय प्रतिभाएँ है जो कि आपके लग्नशील स्वभाव से जुडी हैं।

आप परीश्रमी हैं।

आपकी खेलों में श्रेष्ठता की सम्भावना हैं। आप जल क्रिडा जैसे कि सेलिंग को पसन्द करते हैं।

आपकी जंगली प्रवृतियां पर्याप्त नियंत्रण में है। आप नीर्भिक तथा स्पष्टवादी सौदे से शर्माते नही।

आप कई बार बिना विचार किये कार्य करते है व उसमें लगे हुऐ ही उसका नियोजन करते है।

आपमें अपने अधिकारो का ज्ञान है और आप सभी क्रियाकलाप सम्मानित तरीके से करते हैं। आप सबके साथ ईमानदार हैं। आप हमेशा अपने नजदीकी लोगों की मदद के लिये तैयार रहते है तथा दूसरों के साथ उनकी भावनाओं को बांटने में उदारता व्यक्त करते हैं। आपको नीतिशास्त्र का अच्छा ज्ञान है और आप अपने से कम भाग्यशाली लोगों की मदद के लिये तत्पर रहते हैं। आप जरुरतमंदों की मदद और सहायता करने के लिए अपने समय और प्रयासों का आसानी से त्याग कर सकते हैं। आप समाज के भले के लिए परोपकारी कार्य करने में अपनी उर्जा का सदुपयोग करते हैं। आप दयालुता और धार्मिक कार्यों में स्वार्थरहित शामिल होते है। आपकी अन्य लोगों के लिए अच्छी चीजें करने की प्रवृति हैं। आप अच्छा कार्य करने का प्रयास करते हैं और सामान्यतया विजय प्राप्त करते हैं। आप अधिकारियों, बुर्जुगों और पुरातन लोगों की बुद्धिमता का सत्कार करते हैं।

आप कभी-कभी किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं।

आप अपने विचारों पर बिना आधारों के ही महत्व डालेंगे। आप जीवन में कठिनाईयों पर निराश होगें किन्तु आप उन्हें शीघ्रता से निपटाने में प्रयासरत रहेंगे जब तक कि उन पर विजय न प्राप्त कर ली जाए। आप अपने गलत लाइफ स्टाइल से अपने आपको नुकसानकारित कर सकते हैं। आप दूसरों को थोड़ा सा कष्ट दे सकते हैं। आप थोपे गये या दूसरों के लिये किये जाने वाले कार्य को बेमन से करते हैं।

आप सभी परिस्थितियों पर विचार न करके क्रुर या असंयत रुप से दूसरों की भावनाओं और दुर्घटन की परवाह न करते हुए कार्य कर सकते हैं। आप अपने कनिष्ठों से अधिक सम्मान की आशा नहीं रखते हैं। आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने वाले कार्यों को करने के लिए विपुल ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं।

आप अपनी जमीन से जुड़कर जीना पसंद करते हैं। आप शुद्ध, साफ, तेज वायु जैसे कि पहाड़ियों पर पायी जाती है, पसंद है।

आप ऐसी परिस्थितियों का आनंद लेते हैं जिनमें आप दूसरों को बता सकें कि आप कैसा अनुभव करते हैं। आप अपने घर से प्यार करते हैं और ध्यान से इसकी देखभाल करते हैं। आपकी रुचि योग और जादूगरी में हो सकती है। आप शक्ति और प्राधिकार प्राप्त करना चाहते हैं इसे पाने के लिए आप कठोर प्रयास करते है और इसे प्राप्त भी कर लेते हैं। आप प्रसिद्धि पसंद करते है और देखना चाहते हैं कि यह दूसरों को किस प्रकार प्रभावित करेगा। आप साहस दर्शित कर और सम्मान की अपेक्षा कर दूसरों पर प्रभुत्व जमाने की इच्छा रखते हैं।

आप अपने विचारों और तर्को को दूसरों से छिपाकर रखते है। आपको सपने देखना पसंद है। आपको अंधेरे कमरे मे टेलीविजन देखना पसंद है। आप परिवार के अन्य सदस्यों की भांति समाज में महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हैं।

आपको भौतिक सुख आनंद देते हैं। आपके मन में सामान्य व्यक्ति की तुलना में मृत्यु का भय बहुत कम है। आपकी रुचि आध्यात्मिक मुक्ति और उन्नति में है विशेषरुप से ध्यान जैसे मानसिक साधनों से। आपको धन और उससे प्राप्त होने वाली प्रशंसा प्रिय है।

आपके पालतू पशु समस्याप्रद है।

आपको तेज धूप और रोशनी कम पसंद है। आपको निरंतर कार्य करना अच्छा नहीं लगता। आप अच्छे कार्यकर्ता हैं लेकिन इस बात की संभावना है कि आपको कार्य करना पसंद नहीं हो।

आपको सलाद और फलों के बजाय तला-भुना भोजन ज्यादा रुचिकर लगता है। आपको विशेष रुप से पेय पदार्थ, दही जैसे हल्के पदार्थ और नमकीन भोजन पसंद है। आपके द्वारा लिया जाने वाला भोजन अक्सर पौष्टिक नहीं होता हैं। आपकी पाचन-शक्ति विशेष रुप से गर्म भोजन के प्रति अच्छी किन्तु संवेदनशील है।

आप स्वयं के शरीर का अत्यधिक ख्याल रखते हैं। आप किसी संक्रमण, व्यग्रता या अति संवेदनशीलता के कारण रोगग्रस्त हो सकते हैं। आपको कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं जो आपकी आयु पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है। आपको व्यायाम के लिए समय नहीं मिलता। आप अपनी जीवन शक्ति व ऊर्जा में कमी महसूस कर सकते हैं और ऐसी शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त हो सकते हैं जिनका पता लगाना मुश्किल हो।

आप गर्दन और बाँह से संबंधित रोग से पीड़ित हो सकते हैं। आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जड़ आपका अति भावनात्मक होना और नकारात्मक विचारधारा होना है। आपके शरीर का महत्वपूर्ण भाग, चाहे भला हो या बुरा, सिर, नेत्र एवं हृदय हैं। आपको असंतुलित और विषाक्त भोजन से सावधान रहना चाहिये। आपको परजीवी या वायरस के कारण आँतों में कोई कमजोरी या रोग हो सकता हैं। आपको लिवर, एलर्जी और मोटापे संबंधी समस्या हो सकती है। आपके लिवर को ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है, ऐसा भोजन ना लें जो इसे नुकसान पहुचाएं। जीवन के उत्तरार्ध में आपको नेत्र संबंधी समस्या हो सकती है। आपको दाँतों से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप दाँतों के क्षय की समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। आपको कानों से संबंधित समस्या हो सकती है। आपको नाक से संबंधित समस्याएँ हो सकती है। आप, समय से पूर्व गंजेपन का अनुभव कर सकते हैं। आपको व्यस्कता में त्वचा की समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। आपको कमर के नीचे का दर्द, गठिया, गुर्दो का रोग और संभोग संबंधित रोग हो सकते हैं। आपको स्वास्थ्य संबंधित निम्नलिखित चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता हैः रीढ़ की हड्डी की समस्या, मूत्राश्य का संक्रमण, बाँझपन, आँतों का रोग, गर्भपात या गर्भपतन आदि।

आप शारीरिक रुप से शक्तिशाली है किन्तु आपकी जल्दबाजी के कारण दुर्घटनाएँ हो सकती हैं। आप शराब पीकर वाहन नहीं चलायें। आप तैरते समय या पानी में खेलते समय सावधान रहें। आप शारीरिक रुप से चोटिल होने का या किसी दुर्घटना या चोट के डर से भावनात्मक रुप से प्रभावित हो सकते हैं।

आप अपने अभिभावकों का सम्मान करते हैं। आप ऐसा अनुभव नही कर सके कि आपके और अभिभावकों के सामाजिक विचार समान है।

आपकी माता में ऊर्जा और चतुराई का मिश्रण है। वे कार्य को पूरी उमंग से करती है और घर परिवार के लिए पूरा समय निकालती है। उनका कार्य व्यवहार कुछ अटपटा है जिसमें वे अनजान स्त्रत्रों से धन जुटा लेती है। वे अनसुलझी ग्रन्थियों को सुलझाने में दक्ष हैं। वे कभी-2 क्रुध भी हो जाती है। वे किसी भी परिस्थिति का आंकलन कर उससे बेहतरीन परिणाम ले सकती है। उग्र स्वभाव होने के बावजूद आपकी माता बड़े ही सलीके से अपना कार्य संपादित करती हैं चाहे वे भौतिक, प्रायोगिक, तकनीकी या वित्तीय हों। वे अपने कर्तव्य के प्रति जागरुक है और उसमें अपना ज्ञान काम मे लेती हैं। वे आध्यात्मिक प्रवृति की हैं वे बालकों, छात्रों और अपने कर्मकारों के प्रति बुद्धिमतापूर्ण रवैया रखती हैं। समय के साथ आपकी माता की स्थिति में सुधार होगा। वे अपने मातहतों की परवाह करती हैं। वे सुस्थापित विचारों और परम्पराओं की खिलाफत कर सकती हैं पर दूसरी ओर वे व्यवहार में शुद्धता का ध्यान भी रखती हैं वे अपने कार्य व्यवहार में उच्च स्तर के व्यक्तियों के साथ्ज्ञ मिलकर कार्य केरती हैं और उनसे सम्मान भी प्राप्त करती हैं। वे भौतिक सफलता को महत्वपूर्ण मानती हैं। आपकी माता की भिन्न-2 परिस्थितियों के मेल-जोल की क्षमता के कारण उन्हें असामान्य कारोबार से उन्नति मिल सकती है। चूंकि वे लक्ष्य साधान करती हैं और प्रशंसा की इच्छुक नहीं रहती इसलिए वे खुल कर कार्य नही करती। वे कार्य पूरा करवाना जानती हैं। वे यदाकदा अधिकारियों की आलोचना का शिकार हो सकती है। वे जनसेवा भी करती हैं। पारम्परिक तनीके और सीधा रास्ता यदाकदा आपकी माता को अव्यवाहिक प्रतीत हो सकता है। इसके विपरीत वे ऐसा समाधान चाहती हैं जो सृजनात्मक और दो विपरीत विचारों या पदार्थों से मिलकर बना हो। कभी-2 उद्यमशीलता उन्हें परेशानी में डाल सकती है किन्तु इससे वे विचलित नही होती हैं। उन्हे संचार के नवीन माध्यम पसंद हैं। आपकी माताजी एक सामाजिक प्राणी हैं। आपकी माताजी सचेत तरीके से महत्वकांक्षी हैं। आपकी माताजी आकस्मिक परिवर्तनों और सुधारों , सही बातों को मानती हैं जो उनकी स्थिति में गतिशीलता लाती है। आपकी माताजी संकट में आगे बढ़ती हैं। आपकी माताजी धीमी और धैर्यवान है। आपकी माता दूसरों की सहायता के लिए अपना व्यक्तिगत जीवन भी दाव पर लगा देती है।

आपकी माता धन के प्रति रुचि रखने वाली अपने आर्थिक हितों की रक्षा रकती है। आपकी माता का उनकी जबान पर काबू नहीं होने के कारण वह जो कुछ भी मन में आता है बिना सोचे विचारे

बोल देती है।

आपकी माता कार्यकारी दिमाग होने से सरकार के संचालन के बारे में अपनी राय सामान्यतया विपक्ष में कायम कर लेती है। आपकी माता अभिमानी और बेईमान हो सकती है। आपकी माता एक अच्छी बावर्ची है। आपकी माता को भूलों और सात गलतियों को भुलाने के लिए अधिक लम्बे समय की आवश्यकता हो सकती है। आपकी माता को उच्च शक्तियों से सकारात्मक सहयोग सीखना होगा। आपकी माता के व्यक्तित्व ने आप पर गहरी छाप छोड़ी है। आपकी शिक्षा पर माता की छाप रही है। आप अपनी माता के बहुत नजदीक है। आपका लगाव माता के बजाय पिता की ओर अधिक है। आपके प्रति आपकी माता का व्यवहार बहुत अच्छा नहीं रहा है। आपको अपनी माता से खुशी कम ही मिलती है।

आपके पिता अवार को पहचानते है। वे योजनाएं तैयार करने में सिद्धहस्त हैं वे लोगों से काम करवाना जानते है एवं तर्क बुद्धि वाले खुशमिजाज व्यक्ति है। आपके पिता को सुसंस्कृत मानसिकता, गरिमापूर्ण व्यक्तित्व और वाकचातुर्य अच्छा मेजबान बनाते है। वे बुद्धिमान, मजाकिया, शिक्षित, और जीवन्तता से जीने वाले व्यक्ति है। वे बुद्धिमान व्यक्तियों को आकर्षित करने का गुण रखते है। वे भाग्यशाली है और कारबार के सिलसिले में यात्रा करते है। उन्हें संस्मरण या डायरी लिखने का शोक है। आपके पिता तर्क बुद्धि का प्रयोग कर समस्याओं का हल कर लेते है। वे वर्तमान में व्यस्त रहते है और भविष्य के बारे में कम ही सोचते है। वे अच्छे वक्ता है। विवाह के बाद उनका भाग्योदय हुआ है। आपके पिता विश्लेषणात्मक मस्तिष्क के व्यक्ति है और यही उनकी शक्ति है अधिक सूचनाएं और दायित्व उन्हें थकान दे सकते है। वे सेवा संबंधी कार्यों से धनोपार्जन करते है और आपने ज्ञान और समझ के बल पर उन्होंने सफलता पायी है उन्हें उनके पिता की ओर से पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ है। आपके पिता प्रत्येक बात पर समझदारी से विचार करते है। आपके पिता दिवास्वप्न में खोए रहते है। वे चोट या हिंसा से घबरा जाते है। आपके पिता का जीवन अति व्यस्त है पर बाहरी तौर पर वह शान्त नजर आता है। आपके पिता को गर्म हवा के गुब्बारे, सर्कस, खेल तथा अन्य मनोरंजन पसन्द है। आपके पिता नियम व आदेशों में बंधना पसन्द नहीं करते। आपके पिता में लचीलापन एंव अनुकूलन करने का गुण है। आपके पिता का मन भटकता रहता है या तो वे अतीत की शान-शौकत के बारे में कल्पना करते रहते है या फिर भविष्य की उम्मीदों की। आपके पिता को जोशीला जीवन पसन्द है। आपके पिता को बक्से, तिजोरी, पात्र या किसी डिब्बे में भरा हुआ सामान रुचि व जिज्ञासा पैदा करता है।

विपरीत विचार धाराओं व रुचियों, माँगों व अभिलाषओं का द्वन्द आपके पिता का किसी भी एक योजना से जुड़े रहने में मुश्किल पैदा कर सकता है और इसलिए दूसरे लोग उन्हें अस्थिर व अधिक परवाह न करने वाला समझ सकते हैं। आपके पिता के लिए तुरन्त रुप से अन्तिम निर्णय लेना एक चुनौती भरा हो सकता है। आपके पिता के लिए किसी एक चीज पर लम्बे समय तक

एकाग्रता बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। आपके पिता के दृष्टिकोण में शीघ्र व व्यापक परिवर्तन हो सकता है। आपके पिता किसी एक राय अथवा दृष्टिकोण पर काफी लम्बे समय तक टिके नहीं रह सकते। आपके पिता का दोहरा दृष्टिकोण प्रमुख गुण है तथा किसी को यकीन नहीं होता कि क्या उन्होने कोई इरादा कर लिया है जिसमें वे स्वयं भी शामिल हो। आपके पिता में एक काम खत्म करने से पहले दूसरा काम शुरु की प्रवृति है। आपके पिता के दोहरे स्वभाव के कारण कभी तो वह गम्भीर व धैर्यवान रहते है और कभी उत्साही व बातूनी। आपके पिता तर्क-वितर्क में दुर्जेय होते है क्योंकि वे किसी विषय के एक पहलू से दूसरे पहलू पर तुरन्त चले जाते है परन्तु अपने मुख्य विषय से नहीं भटकते तथा इस प्रकार अपने प्रतिरोधी को अत्यधिक थका देते है। आपके पिता एक बार आंतरिक रुप से मुड़ने के बाद आध्यात्मिक रुप से उच्च हो सकते है क्योकि उनमें सूक्ष्म दृष्टि है।

वे द्वन्द जिन्हें आपके पिता झेलते हैं वे बौद्धिक निर्णयों के उन अलग-अलग स्तरों से सम्बन्ध रखते हैं जिन्हें अलग-अलग लोग विकास की अवस्थाओं के अनुसार लेते हैं।

ऐसा सम्भव है कि आप बचपन में बीमार रहे हो परिवार आपके लिए महत्वपूर्ण है। आपका चरित्र उच्च है आप अपने परिवार के मूल्यों व परम्पराओं का सम्मान करते है।

आपके रिशतेदार आपका पक्ष लेते है। आपका पारिवारिक जीवन कुछ असामान्य है तथा परिवार के सदस्य बहुत ज्यादा करीब नहीं है। आपको अपने परिवार में कुछ और चिन्ताएं भी हो सकती है। आपके घर में कुछ परेशानियां हो सकती है तथा आप दूसरों से कुछ मतभेदों में उलझ सकते है। आप अपने परिवार व साथियों पर कठोरता से नियंत्रण करने वाले हो सकते है।

आपको अपने भाईयों/बहिनों से मधुर संबंध है। आपके बड़े भाई के साथ आपका जो संबंध है वह नजदीक व फायदेमंद हो सकता है। आपके भाई-बहिन है जो आपके साथ काम करते है या करीबी साथी है जो आपके साथ टीम के रुप के कार्य करते है। आपके भाई-बहिन आपका सहयोग करेंगे।

आप अपने बड़े भाई बहनों के साथ प्रसन्न रहेंगे लेकिन कुछ आपको अपने छोटे भाई बहिनों से दूर रख सकता है। आपके भाइयों एवं मित्रों को कुछ परेशानी हो सकती है जो आपकी सहानुभूति को जगाती है। आप अपने जीवन किसी एक भाई या बहिन के दूर जाने का अनुभव कर सकते हो या फिर आपके भाई-बहिन के साथ आपके सम्पर्को में कुछ कमी हो सकती है। आपके भाई-बहिन तथा करीबी संबंधियों को यह महसूस हो सकता है कि आप अनिश्चित तथा बदलने वाले हो सकते है। आपके भाई/बहिन की दुर्घटना हो सकती है। आपका भाई इलाज करने की कुछ रहस्यमयी विधियों में शामिल हो सकता है। आपके भाई/बहिन के गंभीर बीमारी हो सकती है।

आपका बड़ा भाई/बहिन सम्पन्न हो सकता/सकती है तथा उच्च पद पर हो सकता/सकती है।

आप महिलाओं को पसन्द करते है तथा भावनात्मक सम्बन्धों को मानसिक संतुष्टि ढूंढने की कोशिश करते है। आप महिलाओं को आसानी से पाना चाहते है। आप महिलाओं द्वारा दिये गये ध्यान से अत्यधिक आकर्षित होते है। आप अपने साथी के स्तर के बारे में विचार करते है।

आप दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। आप भावनाओं से परिवर्तित हो जाते है तथा आपकी मजबूत पसन्द व नापसन्द है। आप विपरीत लिंग की संगति पाने के लिये धन व ऊर्जा खर्च कर सकते है तथा आशक्ति के कारण धन व सम्मान खो सकते है। आप अपने रिश्तों में लापरवाह हो सकते है तथा उन्हे लम्बे समय तक नहीं निभा सकते। आप प्यार के मामलों में बहुत सरलता से व्यवहार कर सकते है। आप भौतिक आनन्दों का सुख भोगते है। आप यद्यपि सैक्स के बारे मे बहुत सोचते परन्तु आपको इसमें पूर्ण संतुष्टि नहीं मिलती।

आपके लिए विवाह बहुत महत्वपूर्ण है।

आपके विवाह में काफी मुश्किलें हो सकती है। आपके वैवाहिक जीवन में कुछ चुनौतियां है। अपने जीवन साथी को लेकर आप किसी दुआ व हानि के प्रति संवेदनशील है अतः सुनिश्चित करले कि आप का उचित बीमा है। आपके पति/पत्नी द्वारा आपके लिये कुछ समस्याएं पैदा की जा सकती है। आपको अगर किसी कारणवश दूसरी शादी करनी पड़े तो सफल रहेगी। आपके वैवाहिक सम्बन्धों के अलावा अनैतिक सम्बन्ध हो सकते है। आप विवाह के अलावा अन्य सम्बन्धों की ओर आकर्षित होते है। आपके वैवाहिक सम्बन्धों या लम्बे रिश्तों में बाधा हो सकती है। आपको जहां प्रेम का सम्बन्ध हो वहां स्वयं को पहचानने में कठिनाई हो सकती है। आप में अपने जीवन साथी पर धौस जमाने की प्रवृति है तथा आप विपरीत लिंग के सम्बन्धों में रुचि लेते है। आपके रिश्तों अथवा वैवाहिक सम्बन्धों में कुछ दूरी तनाव या सादगी हो सकती है।

आपको अपने जीवनसाथी से धन तथा बुद्धिमता दोनों का लाभ होगा यद्यपि आपके वैवाहिक व रोमांस में कुछ परेशानियां हो सकती है। आप विवाह के बाद बहुत अधिक सफलता को प्राप्त करेंगे।

आपकी पत्नी अत्यधिक जोशीली बहादुर व कुशल नेतृत्वकर्ता है।

आपका जीवनसाथी वह व्यक्ति हो सकता है जिसे आप बचपन से जानते है तथा आपके अत्यधिक करीब है। आपकी पत्नी फुर्तीली व चुस्त है। ओडिसी की भांति आपकी पत्नी के जीवन का उद्देश्य नये-नये जोखिमों की खोज करना नये अनुभवों को तलाशना व उनसे निपटने के लिए अपने अंदर नई योग्यताओं का विकास करना है। आपकी पत्नी अपने कार्य को पूरा करना पसन्द करती है। आपकी पत्नी खोजी प्रवृत्ति की है। आपकी पत्नी में प्रतिस्पर्धात्मक भावना है। आपकी पत्नी के विचार में जीवन का महत्व नये प्रारम्भ, नई पहल, प्रयोग व उत्सुकता पूर्ण संघर्ष में है, जिसकी परशाति अनजान है। आपकी पत्नी अच्छी वार्ताकार है, परन्तु कई बार बिना सोचे समझे बोल जाती है। आपकी पत्नी परामर्श देने मे उत्सुक रहती हैं। आपके जीवन साथी को अपने व्यवसाय में यात्राएँ करनी पड़ सकती हैं एवं उनके व्यवसाय में लाभ एवं हानि की अनियमित अवधियाँ उपस्थित होंगी।

आपकी पत्नी एक भ्रमणशील व्यक्ति हो सकती हैं।

आप अथवा आपका जीवन-साथी लीक से हटकर हैं।

आपकी पत्नी सत्य तक पहुँचने की आवेगपूर्ण रेल-पेल में अत्यंत साधारण उत्तरों को पकड़ लेती हैं एवं सभी को अपने से सहमत करने का प्रयास करती हैं। आपकी पत्नी अधिकांशतः एक उग्र स्पष्टवादी व्यक्ति होने के कारण, अपने प्रतिद्वन्द्वियों के विचारों का खण्डन करते समय अभिमानी एवं उद्धन्ड हो सकती हैं। आपकी पत्नी "मैं" को महत्त्व देती हैं। आपका जीवन-साथी शिक्षित होने पर भी क्रोधी स्वभाव का हो सकता है। आपकी पत्नी के जीवन में घटनाएँ आकस्मिक एवं बिना किसी पूर्व-चेतावनी के घटित होती हैं। आपकी पत्नी रात्रिकाल में अधिक सक्रिय हो उठती हैं। आपके जीवन-साथी का पूर्व से विवाहित होना संभव है। आप यदि दूसरी बार विवाह करते हैं तो आपका विशेषतः पहला जीवन-साथी असंतुलित स्वभाव का होगा एवं कुछ-कुछ असामान्य एवं सनकी होगा। आपका जीवन-साथी एक भिन्न संस्कृति अथवा धर्म से हो सकता है।

आपके जीवन-साथी का स्वास्थ्य ठीक न रहे ऐसा संभव है। आपके जीवन-साथी को कोई ऐसी मानसिक अथवा शारीरिक अस्वस्थता हो सकती है जिसका निदान कठिन है अथवा उसका रुझान

आध्यात्मिक अभ्यास में हो सकता है। आपकी पत्नी की चुनौतियाँ बिना किसी स्पष्ट निर्देश के, उनकी स्वेच्छा से ली जानी चाहिए।

आपकी लोगों से घनिष्ठ मित्रता हैं एवं उनसे आपके संबंध मधुर एवं सद्भावनापूर्ण हैं।

आपके पास शत्रुओं पर विजय पाने के अनेक उपाय हैं। आप स्वयं अपने प्रतिद्वन्द्वियों के हाथों पराजय अनुभव कर सकते हैं।

आपको प्रकृति ने एक प्रभावशाली व्यक्तित्व प्रदान किया है। अपने प्रभावशाली एवं स्वाभिमानी व्यक्तित्व के कारण आप लोगों में सम्मान पाते हैं। आपको सम्मान प्राप्त है। आपकी आत्म-केंद्रियता अन्यों को निदर्यी अथवा अशिष्ट व्यवहार जैसी प्रतीत हो सकती है। आपके लिए सार्वभौम सम्मान प्राप्त करना कठिन हो सकता है। आप सरकार, लोकप्रिय, जोशीले एवं निर्भीक लोगों द्वारा अनुगृहीत होते हैं। आपको अपने मित्रों के द्वारा भलि-भांति समर्थन प्राप्त है एवं आप उनमें लोकप्रिय हैं। आपमें कुछ ऐसा है जिसके कारण लोग आप पर विश्वास न करें।

आप अनैतिकता में उलझ सकते हैं एवं आप पर ऋण बढ़ सकते हैं। प्रायः आप अतिशीघ्रता अथवा लापरवाही से निर्णय लेंगे जिससे बाद में इसके परिणामों पर पछताएंगे। आपको एक तरह से 'पतित' व्यक्ति कहा जा सकता है क्योंकि आप ऐसे क्रिया-कलापों में भाग लेते हैं जो आपके योग्य नहीं हैं।

किसी विद्वत्तापूर्ण अथवा शैक्षणिक क्षेत्र में ख्याति आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है क्योंकि आपका ध्येय प्रबल रुप से संसाधनों के क्रमिक संचय चेतना से जुड़ा है। आपका एक असभ्य, अपक्व पक्ष है जो आपको निम्न श्रेणी समाज के विचित्र लोगों में अति लोकप्रिय बनाता है। आप निंदनीय कार्यों में उलझे सकते हैं। आप मुक़दमेबाज़ी अथवा आपराधिक क्रिया-कलापों में उलझ सकते हैं।

Parashara's Light - PE © GeoVision Software Inc. Licensed to www.starstell.com.

संबंधियों एवं सहकर्मियों के साथ विवाद खड़े हो सकते हैं, परंतु वे आपस में तर्क करने लग जाते हैं एवं आपके प्रति अपनी नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को छोड़ देते हैं। आपमें अर्द्ध-सत्य एवं बात को बढ़ा-चढ़ा कर बोलकर लोगों के प्रति चतुराई से व्यवहार करने की प्रवृत्ति हो सकती है। संभव है कि लोगों से मिलते समय आप दूसरी ओर देखें। आपके जीवन में लोगों के साथ कुछ उलझने एवं संभावित गलत-फहमियाँ हो सकती हैं।

आप विदेशों में अच्छे समझे जाते हैं। आप विदेशियों द्वारा पसन्द किये जाते हैं, तथा विदेशी या विचित्र दिखने वाले लोगों की तरफ आकर्षित होंते हैं।

आप कठिन परिश्रम व सफलता के लिए मेहनत करेंगे। आप अपने नाम, पेशे की प्रगति व उच्च सामाजिक स्तर के लिये आसानी से चुनौतियों को स्वीकार करते हैं। आप अपनी लगन व अनुशासन से अपनी महत्वाकाँक्षा को पूर्ण करेंगे।

आप अपने कार्यों को जिम्मेदारी से निभाते हैं। आपका दैनिक कार्य किसी अन्य कार्य की तुलना में ज्यादा चिन्ता का कारण हो सकता है। जीवन में अपने अद्वितीय कार्य के लिए आपकी पृष्ठभूमि उपयुक्त नहीं है। कठिन समय में आप अपने कार्य में बाधा और अलगाव को महसूस करेंगे और अनुकूल समय में खुशी का अनुभव करेंगे। आपका रुझान उन कार्यों के प्रति होगा जो कि चुनौतिपूर्ण व असृजनात्मक होंगे। जीवन के जिस भी क्षेत्र से आपका कार्य जुड़ा है उसमें आप ज्यादा मूलभूत नींव पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। आप चातुर्य व योजनात्मक रुप से कार्य करेंगे। अपनी रुचि का पेशा आपके अच्छे गुणों व सही शिक्षा पर निर्भर करता है। आप अपने स्वयं के कौशल और शिक्षाओं से अपने कार्य का चयन करते हैं। आप एक अच्छे अनुसंधानकर्ता व मनोवैज्ञानिक हैं।

आप विदेशी वातावरण में रहेंग या कार्य करेंगे। आप विदेशी प्रकाशनों के साथ कार्य करेंगे। आप कार्य विदेशी भाषा या विदेशी संचार में लिप्त हो सकते हैं।

आप ग्रहणशील हैं तथा व्यापरिक बन्धुओं से सफलतापूर्वक व्यवहार करते हैं।

अपने भागीदार के गोपनीय व विचित्र व्यवहार के कारण, व्यावसायिक भागीदारियों में आपका अनुभव कटु रहेगा। साझेदारी व उत्तराधिकार से आर्थिक सफलता मिल सकती है। आपको अस्थिर प्रकृति का भी समझा जा सकता है। आपके साथी दिशा-निर्देशों के लिये आप पर निर्भर रहेंगे।

ज्यादा कार्य करने से आप शारीरिक रुप से ध्यान नहीं रख पाऐंगे। आप अपना कार्य कुछ पारम्परिक व गम्भीर तरह से करते हैं। आपकी पसंद का व्यवसाय, भाषण देना, शिक्षा एवं वित्त सम्बन्धी हो सकता है । ाायद आप बैंकिग, भोजन सम्बन्धी व्यवसाय, भाषण देना एवं वित्तिय व्यवसायों में दक्ष होंगे।

आप भविष्य में ऊँचा स्थान प्राप्त कर सकते हैं व आपके बहुत सारे अनुयायी व प्रशसंक हो सकते हैं। आप अपनी इच्छाओं के प्रति अत्यंत गम्भीर हैं और प्रतिष्ठा की अपेक्षा भी रखते हैं। आप अपने अति उत्तम कार्यों से धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाऐंगे। आप सत्ता और शक्ति प्राप्त करेंगे ताकि आप उन मार्गो पर, जो आपको विश्वास है सफल बनायेंगे, चल सकें । आपके सहयोगी आपकी सफलता में योगदान करते हैं।

आपके कार्य में बार-बार व्यवधान और विच्छिन्नता उत्पन्न हो सकती है। आप बहुत प्रकार की नौकरियां करने और फिर खोने या स्वयं छोड़ने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। आप शिक्षाविदों द्वारा तिरस्कृत किए जा सकते हैं और आपको मुख्य धारा से बाहर रहकर काम करना पड़ सकता हैं। आप कुछ सांसारिक सफलतांए प्राप्त करेगें, किन्तु आप प्रायः जीतने के लिए नियमों का उल्लंघन करते हैं। आप का कैरियर शनैः-शनैः प्रगति करेगा एवं किसी प्रकार के आकस्मिक अथवा नाटकीय उतार-चढ़ाव नही होंगें। विदेशी व्यक्तियों के साथ आपके संबंध आपके कैरियर मे लाभप्रद हो सकते हैं।

आप ऐसी पद्धतियां काम में ले सकते हैं जो सफल नहीं होती। आपके अग्रजों के कानूनी प्रकरण आप को व्यस्त रख सकते हैं।

आप समृद्ध हैं। आप में व्यापारिक प्रतिभा है व आप दूसरों के साथ संबंधों के मदद से धनवृद्धि करेंगे। ऋण या बंधक संपति से प्राप्त धन आपकी संपति का आधार बन सकता है। आपके आय के साधनों में उत्तराधिकार, रेस्टोरेन्ट, फूड एम्पोरियम, वित्तीय संस्थांए, जवाहरात या अन्य व्यक्तिगत संपति सम्मिलित हो सकती है। आप कुल मिला कर स्वनिर्मित व्यक्ति हैं।

आप अपने जीवन मं महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ प्राप्त कर सकते है। आप बहुत सारा धन कमा सकते हैं। आप धनवान होगें, किन्तु अपने सगे संबंधियो से दूर हो सकते हैं। आप के जीवन में कभी सहज लाभ, कभी अभाव के अन्तराल होंगे। आपकी आय में उतार-चढाव हो सकते हैं, किन्तु धन का प्रवाह सदैव बना रहेगा। आपके उपयोगार्थ वित्तीय संसाधनों के अवसर बहुतायत में होंगे और अपेक्षाकृत बिना प्रयत्न के वित्तीय प्रवाह होंगे। आप स्वभाविक रुप से धन से संबंद्ध है और धन को आकर्षित करते हैं।

अवास्तविक योजना आप की आय सृजन को बाधित करती है।

आप बहुत अच्छी आय अर्जित करते हैं और अपने धन का ध्यानपूर्वक प्रबंधन करते हैं।

कला के साथ आपका संबंध आपको धनोपार्जन का अवसर प्रदान कर सकता है। आप स्वभाव से धन प्राप्ति की इच्छा रखते हैं। आप धनवान होने के लिए उत्सुक हैं क्योकि यह वे संभावनाए प्रदान करता है जिससे समाज में आप वांछित स्थान बना सकें।

बेरोजगारी या कार्यविहीन अन्तराल हो सकते हैं।

आप पुराने किन्तु विश्वासयोग्य वाहन चलाने के लिए प्रवृत होते हैं।

आपके लिए अचल संपति सौभाग्यशाली है।

आप पर्याप्त अर्जित करते हैं किन्तु व्यय भी पर्याप्त रुप से करते हैं। आपमें अपनी तीव्र इच्छाओं को पूर्ण करने हेतु, किसी भी जोखिम के उपरांत, किसी भी अवसर का लाभ उठाने की प्रवृति है। आप सावधानीपूर्वक सुविचारित एवं नियोजित श्रेष्ठ उद्देश्यों पर व्यय करने हेतु प्रवृत होते हैं। आप आध्यात्मिक उद्देश्यों के प्रति उदार हो सकते हैं। ज्ञान प्राप्ति एवं कोई भी वस्तु जो आपका सांस्कृतिक या आध्यात्मिक विकास की वृद्धि करे, आप उस पर प्रसन्नतापूर्वक व्यय करते हैं।

आप सट्टेबाजी में हानि उठा सकते हैं। आपके मित्र और साझेदार आप पर वित्तीय भार हैं। आप कुछ हानियों की पूर्ति नहीं कर सकेंगे।

आप मानवता के कल्याण में वृद्धि करने वाली गतिविधियों में प्रवृत हैं। और आध्यात्मिक कार्यों में संलिप्त हैं।

आप इस जीवन काल में ज्ञानोदय को प्राप्त कर सकते हैं। आप ब्रह्माण्डीय विषयों के अर्थ सीखते हैं और वृहत्तर दृष्टिकोण देखते हैं।

आप स्वयं भी अपने अन्दर की पूर्णता की सार्वभौमिक चेतना को बाहर निकाल कर उससे सामंजस्य स्थापित करने हेतु समाज से प्रत्याहार की इच्छा रख सकते है।

आप सम्माननीय है एवं पारंपरिक धर्म का सम्मान करते है।

आपको किसी ओर के घर में निवास करना पड़ सकता है। आप जीवन के अंतिम क्षणों में अपने मौलिक घर से दूर हो सकते है। आपके विचारो।में अब भी आपका पुराना आवास रहता है।

आप अशान्त रह सकते हैं। आपको कुछ सुदूर यात्राएं प्रसन्नता देंगी। आप कुछ यात्राएं करेंगे

और विदेशों में सफलता भी प्राप्त करेंगे। आप समय-2 पर यात्राएं और विदेश में निवास कर सकते है।

आप यदि इसी प्रकार की गतिविधियों में रत रहते है तो अपने वास्तविक व्यक्तित्व को खो देंगे।

आपके जीवन में बेहतर लक्ष्य की ओर परिवर्तन होगा। आपके जीवन में सामान्य रुप से अनेक परिवर्तन होंगे। आपके जीवन का ध्यये परिवर्तनों से गुजरता है। आपके कुछ जटिल व धीमी प्रक्रिया के बाद अच्छा विकास होगा। आपकी शारीरिक शक्ति जीवन की विभिन्न अवस्थाओं में परिवर्तन के दौर से गुजरेगी। आपके बचपन में आपने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया। आपके जीवन में स्वास्थ्य सम्बन्धी तकलीफे रही होगी।

आपके प्रयासों में आपको कुछ बाधाओं का अनुभव करना पड़ सकता है। आप दोहरा जीवन जी सकते है। आप अपर्याप्त सवांद के कारण जीवन में कुछ मौके गंवा सकते है। अपने जीवन को पूर्ण आभा के साथ प्रस्तुत करने में आपको कुछ परेशानी हो सकती है आपमें असुरक्षा की भावना जिसे आप प्राप्त करना चाहते है उसमें बाधक हो सकती है। आप कभी-कभी अपने आपको खोया हुआ तथा भटका हुआ महसूस करते है। आप पर कमजोर स्वास्थ्य अथवा कर्ज का भार पड़ सकता है।

आपके साथ जीवन में विपरीत होने वाली चीजों से बचाने के लिए एक विशेष सुरक्षा है।

दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ जैसे बीमारी अथवा पेशे में बाधा आपको परेशान कर सकते है।

निवेश के मामलों में आप भाग्यशाली है। आप अनेक अच्छी चीजों को जीवन में प्राप्त करने को लेकर अत्यधिक भाग्यशाली है। अद्‌भुत व पवित्र ज्ञान आपका विकास व सौभाग्य ला सकता है। आप आर्थिक व आध्यात्मिक रुप से अत्यधिक भाग्यशाली है।

आप परिस्थितियों की वजह से शायद अपने वातावरण का पूर्ण सहयोग प्राप्त नहीं कर पाते।

आपको दूसरों की पूर्व में अनसुलझी समस्याओं का समाधान करने की कोशिश करनी चाहिये।

आपके लिये आक्षेप, कटाक्ष तथा गपशप से बचना अच्छा है।

नीलम आपके लिए भाग्यशाली रत्न है जो कि आपकी किसी भी बाधा को दूर कर देगा।

Parashara's Light - PE © GeoVision Software Inc. Licensed to www.starstell.com.

गोचर फल

जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (5 जनवरी 2021 03:54:51 से 25 जनवरी 2021 16:30:30)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2021 08:14:43 से 12 फरवरी 2021 21:12:11)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है । व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं । आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है । परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी ।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रुप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा । इस दौरान धन लाभ भी होगा । जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा । बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्त्रोत होंगे । कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (25 जनवरी 2021 16:30:30 से 4 फरवरी 2021

22:57:44)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (4 फरवरी 2021 22:57:44 से 11 मार्च 2021 12:33:11)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (12 फरवरी 2021 21:12:11 से 14 मार्च 2021 18:03:24)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि

इसमें गिरावट के संकेत हैं । अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है । गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें ।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है । स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है ।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है । अतः उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (22 फरवरी 2021 04:36:14 से 14 अप्रैल 2021 01:13:47)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है ।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है । आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं । आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकताहै । आप व आपकी पत्नी/पति को कोइ गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है ।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है । आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें । यदि बुद्धि चातुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रुप ले सकता है । अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें । आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं । अपने व्यवहार को नियंत्रित रखों क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं ।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें । व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं । रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें ।

जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (11 मार्च 2021 12:33:11 से 1 अप्रैल 2021

00:42:56)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति का सूचक है । व्यक्तिगत रुप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा । समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे ।

वित्तीय रुप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रुप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है । आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है ।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है । आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है । आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है ।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (14 मार्च 2021 18:03:24 से 14 अप्रैल 2021 02:32:39)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा । यह समय विशेष रुप से आर्थिक चुन्नौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है । अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों । कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें । कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं । इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है ।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें । अतः स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है । आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है ।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है । ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है । उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए । मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (1 अप्रैल 2021 00:42:56 से 16 अप्रैल 2021 20:57:46)

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है । इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें । यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें । अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें ।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है । खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं । ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो ।

मानसिक रुप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं ।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं ।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है । यदि आप विद्यार्थी हैं तो दृढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें ।

जन्म चंद्रमा से गुरु का चतुर्थ भाव से गोचर (6 अप्रैल 2021 00:24:34 से 14 सितम्बर 2021 14:21:42)
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । ये आपके लिए चिन्ताएँ लेकर आयाहै । कार्यक्षेत्र में ये अनेक कठिनाइयाँ उत्पन्न करेगा व आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब हो सकता है । जायदाद सम्बन्धी मामलों व मुकदमेबाजी से दूर रहें ।

शत्रुओं से बचें व विशेष ध्यान रखें कि नए शत्रु न बनें । अपने सम्बन्धियों व मित्रों से मधुर सम्बन्ध रखें । इन दिनों आप किसी ऐसे परिवार में जाएँगे जहाँ किसी की मृत्यु हुई हो ।

आर्थिक रुप से भी यह कठिन समय है । व्यर्थ के खर्चों व यात्रा से बचें ।

अपनी व अपनी माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें । आप इस समय कमजोरी व जीवन में एक फीकापन महसूस कर सकते हैं । पालतू पशुओं व कार यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

समाज में अपना स्तर ऊँचा बनाए रखें व समाज के सदस्यों से मधुर सम्बन्ध बनाएँ रखें क्योंकि विरोध का सामना करना पड़ सकता है । आपको इस काल में गहरी मानसिक चिन्ता हो सकती

है व अपमान झेलना पड़ सकता है ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (14 अप्रैल 2021 01:13:47 से 2 जून 2021 06:51:40)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है । जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें ।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें । अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी ।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है । यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2021 02:32:39 से 14 मई 2021 23:24:54)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है । आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं । यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है । आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है । आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है । शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे ।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे । आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा ।

जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (16 अप्रैल 2021 20:57:46 से 1 मई 2021

05:41:29)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा । इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा । यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है । आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा ।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है । आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं ।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है ।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती है ।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें । अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें ।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें । शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (1 मई 2021 05:41:29 से 26 मई 2021 08:40:15)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (14 मई 2021 23:24:54 से 15 जून 2021 06:01:15)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है । कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें । कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें ।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है । आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है । उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती है जिसे पाना आपका सपना था ।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं । आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं । बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है । इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (26 मई 2021 08:40:15 से 3 जून 2021 02:25:27)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (2 जून 2021 06:51:40 से 20 जुलाई 2021 17:55:12)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके नवम् भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकताहै । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रुप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रुप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढ़ंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छद्मवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (3 जून 2021 02:25:27 से 7 जुलाई 2021 11:09:39)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है । यह रोग का सूचक है । आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है ।

मानसिक रुप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं । यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है । अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद

अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें । ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े ।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं । यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2021 06:01:15 से 16 जुलाई 2021 16:53:30)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रुप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रांत हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (7 जुलाई 2021 11:09:39 से 25 जुलाई 2021 11:41:30)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है । यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2021 16:53:30 से 17 अगस्त 2021 01:17:13)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके जीवन पर विशेष महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा । इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है ।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों । हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्याा आरोप लगने की भी संभावना है । स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रखे।

आर्थिक रुप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है । पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रुप से बचें । आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है । आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है ।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा । आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं । यात्रा का योग है ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (20 जुलाई 2021 17:55:12 से 6 सितम्बर 2021 03:58:36)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह

सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है । इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दु:ख, निराशा, थकान आदि । फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है । आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे । हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है । आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है ।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है ।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा । ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें ।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है । कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें ।

जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (25 जुलाई 2021 11:41:30 से 9 अगस्त 2021 01:33:17)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह रोग व पीड़ा का सूचक है । यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है । कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें । यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैंठें जो बाद में पछताना पड़े ।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं । अनेक कारणों से मानसिक रुप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं ।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं । परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रुप ले सकता है ।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं । इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़

सकता है । परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है ।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा । भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें ।

जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (9 अगस्त 2021 01:33:17 से 26 अगस्त 2021 11:19:20)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह सुख के समय व संतोष का सूचक है । आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी । व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं । आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे ।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है । आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं । आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं । इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है ।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है । आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं ।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है । आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है । समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे ।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है । शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2021 01:17:13 से 17 सितम्बर 2021 01:13:26)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय शुभ है । यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है ।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं । उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है ।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है ।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है । आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रुप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा । आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं । जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे ।

जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (26 अगस्त 2021 11:19:20 से 22 सितम्बर 2021 08:15:23)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (6 सितम्बर 2021 03:58:36 से 22 अक्तूबर 2021 02:02:07)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा । इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा । संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की

संभावना है । सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है । आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है । आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा ।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे । आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है । आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा ।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी । संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा ।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्न्ता अनुभव करेंगे । आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा ।

जन्म चंद्रमा से गुरु का तृतीय भाव से गोचर (14 सितम्बर 2021 14:21:42 से 20 नवम्बर 2021 23:29:17)
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके जीवन में बाधाएँ व अस्वस्थता लेकर आएगा । वित्त हेतु भी यह समय अच्छा नहीं है क्यसोंकि व्यापार में किए गए प्रयासों में असफलता व अड़चनें आ सकती हैं । हाथ से धन भी जा सकता है ।

काम में आपको अपना पद व स्थान बनाए रखने हेतु सतर्क रहना पड़ सकता है । आपको अपने मालिक व सहकर्मियों का इस दौरान विरोध भी झेलना पड़ सकता है ।

अपने मित्रों व भाई-बहनों से विवाद में न पड़ें क्योंकि इससे झगड़ा हो सकता हैं । इस समय किसी रिश्तेदार व मित्र की मृत्यु भी हो सकती है ।

आप एवम् आपके जीवनसंगी के बीमान होने का खतरा है । अतः स्वास्थ्य के प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतें । आप मानसिक चिन्ताओं व अन्य कठिनाइयों से गुजर सकते हैं ।

यात्रा से बचें क्योंकि यह हानिकारक हो सकता है ।

दूसरी और आपमें से कुछ कोई पवित्र अनुष्ठान कर सकते हैं व विवाह के बारे में सोच सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2021 01:13:26 से 17 अक्तूबर

2021 13:12:11)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति ।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है । यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है ।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है ।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ौस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है ।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा ।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा । आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान्न आदि का भी वितरण होगा । कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (22 सितम्बर 2021 08:15:23 से 2 अक्तूबर 2021 02:53:56)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (2 अक्तूबर 2021 02:53:56 से 2 नवम्बर 2021 09:53:35)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है । यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है । आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं । आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं । यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है । आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे ।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए । आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे । आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं ।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं । आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है । आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे ।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है । समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा । आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्तूबर 2021 13:12:11 से 16 नवम्बर 2021 13:02:48)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रुप से आर्थिक चुन्नोतियों से परिपूर्ण है । अतः कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

Parashara's Light - PE © GeoVision Software Inc. Licensed to www.starstell.com.

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (22 अक्तूबर 2021 02:02:07 से 5 दिसम्बर 2021 05:58:23)
इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा । स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रुप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं । पैरों का भी ध्यान रखें । इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है । आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दु:स्वप्न आ सकते हैं ।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है । यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झेलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है ।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें ।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें । उनसे विवाद में न पड़ें । शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें ।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं । किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरुप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे ।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (2 नवम्बर 2021 09:53:35 से 21 नवम्बर 2021 04:50:05)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का द्योतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रुप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2021 13:02:48 से 16 दिसम्बर 2021 03:44:06)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा । इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं । अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी ।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा । आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो ।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं । आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं । अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है । इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें ।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं । जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है । कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुन्नौतीपूर्ण है ।

जन्म चंद्रमा से गुरु का चतुर्थ भाव से गोचर (20 नवम्बर 2021 23:29:17 से 13 अप्रैल 2022 15:49:56)
इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा । ये आपके लिए चिन्ताएँ लेकर आयाहै । कार्यक्षेत्र में ये अनेक कठिनाइयाँ उत्पन्न करेगा व आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब हो सकता है । जायदाद सम्बन्धी मामलों व मुकदमेबाजी से दूर रहें ।

शत्रुओं से बचें व विशेष ध्यान रखें कि नए शत्रु न बनें । अपने सम्बन्धियों व मित्रों से मधुर सम्बन्ध रखें । इन दिनों आप किसी ऐसे परिवार में जाएँगे जहाँ किसी की मृत्यु हुई हो ।

आर्थिक रुप से भी यह कठिन समय है । व्यर्थ के खर्चों व यात्रा से बचें ।

अपनी व अपनी माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें । आप इस समय कमजोरी व जीवन में एक फीकापन महसूस कर सकते हैं । पालतू पशुओं व कार यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है ।

समाज में अपना स्तर ऊँचा बनाए रखें व समाज के सदस्यों से मधुर सम्बन्ध बनाएँ रखें क्योंकि विरोध का सामना करना पड़ सकता है । आपको इस काल में गहरी मानसिक चिन्ता हो सकती है व अपमान झेलना पड़ सकता है ।

जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (21 नवम्बर 2021 04:50:05 से 10 दिसम्बर 2021 06:05:29)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है । इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े । इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं । ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द ह्रदय को छलनी कर दें । स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है ।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है । ध्यानपूर्वक खर्च करें ।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं । अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें । आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके

अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है । मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें । ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्त्व व गरिमा कम हो । सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें । अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें ।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं । यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं । घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं । स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है । संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ठ परिणाम निकलेंगे ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (5 दिसम्बर 2021 05:58:23 से 16 जनवरी 2022 16:30:40)
इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह कठिनाइयों का सूचक है । व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है । आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है । अच्दा हो इन दिनों आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें । यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवम् गलतफहमियों से बचें । आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं ।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अतः धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें । धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें ।

इस अवधि में यात्रो के अनेक अवसर हैं । अतः आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है ।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहहीन अनुभव कर सकते हैं । आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है । अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं ।

Parashara's Light - PE © GeoVision Software Inc. Licensed to www.starstell.com.

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (10 दिसम्बर 2021 06:05:29 से 29 दिसम्बर 2021 11:31:13)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है । विशेष रुप से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं ।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा ।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे ।

यह सब कुछ होतें हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है । इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2021 03:44:06 से 14 जनवरी 2022 14:29:25)
इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुन्नौतियों का है । इस दौरान आपको पूर्वाभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है । यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है ।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे । आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़चिड़ेपन का व्यवहार करेंगे । आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं । आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है ।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें । यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है । इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं ।

जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2021 11:31:13 से 6 मार्च 2022 11:21:29)
इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह आप व आपके

अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है । आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है । किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें ।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें । फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी । वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है । धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें ।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं ।

Parashara's Light - PE © GeoVision Software Inc. Licensed to www.starstell.com.

दशा फल

शुक्र महादशाः 21 दिसम्बर 2018 से 21 दिसम्बर 2038 तक

शुक्र महादशा फल

स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से शुक्र की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- शुक्र की महादशा में रत्न, आभूषण, वस्त्र आदि से सुख प्राप्त होगा।
- स्त्री, सन्तान, धन, समृद्धि और राज द्वार से सम्मान की प्राप्ति होगी।
- विद्या-लाभ, गान और नृत्यादि में रुचि की वृद्धि होगी।
- शुभ स्वभाव तथा दान आदि करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- क्रय-विक्रय में दक्षता, कार्य-व्यवसाय में लाभ तथा नवीन कार्यारम्भ का योग बनेगा।

- शुक्र की दशा में वाहन, पुत्र-पौत्र और पूर्वजों द्वारा उपार्जित धन आदि से सुख मिलेगा।

- निर्बल शुक्र की महादशा में घर में झगड़ा, वात-कफ-प्रकोप-जनित-रोगों से निर्बलता, चित्त-सन्ताप, नीच जनों से कदाचित् मैत्री तथा कभी विरोध होगा।

विशेषफल

शुक्र के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं
अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- शुक्र की महादशा में विविध कलाओं में रुचि बढ़ेगी।
- परोपकार और कुआं, तालाब, बगीचा इत्यादि निर्माण करने का विचार बनेगा।
- शुक्र की महादशा में धन, संतान और मित्र आदि से युक्त, राजा से पूजित होंगे।
- बहुत से हाथी-घोड़ों से सुसज्जित (अर्थात वाहन) एवं रत्नादि से आभूषित रहेंगे।
- शुक्र की महादशा में मनुष्यों पर अधिकार तथा राजा से सम्मान प्राप्त होगा।
- धन एवं वस्त्र आदि का लाभ और कलत्र, पुत्र, मित्र आदि से सुख मिलेगा।

- शुक्र की महादशा में कुआँ, तालाब और बगीचा इत्यादि के निर्माण में प्रवृत्ति रहेगी।
- ईश्वर पूजा में रुचि और बहुत सुख होगा।
- शुक्र की महादशा के आरंभ में उत्कर्ष के लिये परिश्रम तथा सत्कर्मों में धन का व्यय होगा।
- दशा के अन्त में प्रचुर धन लाभ, सम्मान, उद्योग एवं अन्य क्षेत्रों में सफलता मिलेगी।
- उत्तम वाणी, अन्न आदि सुख से सम्पन्न, उत्तम भोजन का सुख प्राप्त होगा।
- परोपकार की प्रवृत्ति तथा राजा से लाभ प्राप्त होगा।
- शुक्र की महादशा में साहस तथा पराक्रम में वृद्धि एवं अविचारपूर्ण कार्यों में प्रवृत्ति रहेगी।
- वाद-विवाद में कुशलता तथा कार्य में निपुणता प्राप्त होगी।
- प्रवास, मानसिक चिन्ता, कलह, ऋणग्रस्तता संभव है।
- पराये काम अर्थात नौकरी आदि में रुचि रहेगी।

शुक्र-शुक्र : 21 दिसम्बर 2018 से 22 अप्रैल 2022 तक

शुक्र की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल

शुक्र की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- कार्य व्यवसाय में यश तथा लाभ की प्राप्ति होगी।
- कला-कौशल एवं संगीत में रुचि, स्त्रियों से मैत्री तथा स्त्री सुख की प्राप्ति होगी।
- धन की प्राप्ति, सांसारिक सुखों की उपलब्धि तथा यश की वृद्धि होगी।
- अन्तर्दशाकाल में नवीनगृहनिर्माण, नित्य मिष्ठान्न भोजन, स्त्री-पुत्र को ऐश्वर्य, मित्र के साथ भोजन, अन्नदान, दान, धर्म, राजा की कृपा से वाहन, वस्त्र, भूषण की प्राप्ति, व्यवसाय में फलाधिक्य, पशुलाभ, पश्चिम दिशा में यात्रा होगी।
- अन्तर्दशा में राज्यलाभ, महोत्साह, सुखद राजप्रेम, घर में कल्याणाभिवृद्धि तथा स्त्री-पुत्रादि की वृद्धि होगी।
- चोर आदि तथा व्रण से भय, राजद्वार में लोगों से द्वेष, इष्टों का विनाश, स्त्री पुत्रादि को कष्ट, जनपीड़न संभव है।

शुक्र-शुक्र-गुरु : 31 अगस्त 2020 से 9 फरवरी 2021 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रतयन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

शुक्र–शुक्र–शनि : 9 फरवरी 2021 से 21 अगस्त 2021 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

शुक्र–शुक्र–बुध : 21 अगस्त 2021 से 10 फरवरी 2022 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।